RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः82 , बुधवार, 06 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

सड़क की बदहाली पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, दूल्हे को पैदल तो दुल्हन को गोद में ले जाने... 03

जाति-पाति से ऊपर उठकर एक सूत्र में बंधे समाजः रविशंकर 04

मेरी मां बेहतरीन अदाकारें में से एकः पलक तिवारी 07

संक्षिप्त समाचार

पद्मश्री से सम्मानित फूलबासन बाई के अपहरण की कोशिश

- मुंह बांधकर कार में ले गई एक महिला, हिरासत में तीन आरोपी

राजनांदगांव (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के राजनांदांव में सनसनीखेज मामला सामने आया है। पद्मश्री से सम्मानित फूलबासन बाई यादव का अपहरण करने की कोशिश की गई। हालांकि पुलिस की सजगता के कारण आरोपियों को सफलता नहीं मिली। पुलिस ने दो महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच जारी है। सुकुल

दैहान पुलिस चौकी में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। घटना मंगलवार सुबह करबी 10 बजे की है। बेमेतरा जिले की रहने वाली खुशबू साहू, एक महिला और उसके दो साथियों के साथ फूलबासन बाई यादव के घर में घर में कुछ चर्चा करने के लिए पहुंची थी। थोड़ी देर बाद महिला फूलबासन बाई के साथ नीचे आई और उन्हें कार में बैठा लिया। जैसे ही कार में फूलबासन बैठी महिला ने दरवाजा बंद कर लिया और कार चल दी। फूलबासन बाई यादव इससे पहले मदद के लिए शोर मचाती गाड़ी में उनके हाथ और मुंह को बांध दिया गया। कार जैसे ही खैरागढ़ के चिखली पुलिस चौकी के पास पहुंची तो यहां एक टीम वाहनों की जांच कर रही थी। रुटीन चेकअप के लिए टीम ने गाड़ी को रुकवाया तो मामले का खुलासा हुआ। कार के अंदर एक महिला का मुंह और हाथ बंधा देखकर पुलिस को शक हुआ।

बंगाल में परदे के पीछे से संघ ने दिलाई जीत

- घर-घर पहुंचे कार्यकर्ता, गुस्से को वोट में बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई। इस जीत के साथ ही ममता के 15 साल के शासन का अंत हुआ। भाजपा की जीत के पीछे वैसे तो अनेक फैक्टर रहे, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की करीब डेढ़ दशक लंबी तैयारी भी काम आई। साल 2011 में राज्य में करीब 530 शाखाएं थीं, जो 2500 से ज्यादा हो चुकी हैं।

पिछले साल में 583 नई शाखाएं खुलीं। चुनाव से पहले संघ ने पर्दे के पीछे रहकर एक लाख से ज्यादा छोटी बैठकों के जरिए परिवर्तन का नैरेटिव सेट कर दिया। 2021 की हिंसा के बाद संघ सुरक्षा कवच की भूमिका में आया। पीड़ितों के घर जाकर आर्थिक और कानूनी मदद दी। शीर्ष नेतृत्व से संवाद कराया। संदेश गया कि संगठन साथ है। संघ में संदेशखाली जैसे इलाकों में सीधे टकराव के बजाय भरोसे की रणनीति अपनाई। महिलाओं व पीड़ितों से संवाद के जरिए उन्हें बात उठाने को प्रेरित किया। बड़ी संख्या में लोग सामने आए। सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर काम किया। स्थानीय त्योहारों, विवेकानंद और सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुषों और क्षेत्रीय पहचान से जुड़े कार्यक्रमों के जरिए भाजपा को स्थानीय विकल्प के रूप में पेश किया।

यूएई में तीन भारतीयों के घायल होने पर भारत नाराज

- पीएम मोदी बोले-हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे, ईरान ने किया था हमला

तेहरान (एजेंसी)। यूएई के फुजैराह में ऑयल पोर्ट पर हुए हमले को लेकर भारत ने नाराजगी जताई है। सरकार ने कहा कि तीन भारतीयों का घायल होना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा बंद करने और आम लोगों को निशाना न बनाने को कहा है। भारत ने कहा कि हालात को संभालने का सही

रास्ता बातचीत और कूटनीति है, ताकि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बनी रहे। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रहनी चाहिए। इससे पहले यूएई ने दावा किया था कि हमला ईरान की तरफ से हुआ था। उन्होंने 12 बैलिस्टिक मिसाइल, 3 क्रूज मिसाइल और 4 ड्रोन को रोकने में कामयाबी पाई। हालांकि ईरान ने यूएई के इस आरोप पर कोई जवाब नहीं दिया है। पीएम मोदी ने भी इस घटना को लेकर पोस्ट किया और कहा कि आम लोगों और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। **यूएई के ड्रोन प्लांट पर हमला-** ईरान ने यूएई के फुजैराह में एक पेट्रोलियम प्लांट पर ड्रोन हमला किया। इससे इंडस्ट्री एरिया में आग भड़क उठी। इसमें 3 भारतीय भी घायल हुए हैं।

अमेरिकी जांच के घेरे में भारत, 8 को आमना-सामना

- नई दिल्ली के पास आरोपों का है जवाब, कर चुका है खंडन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत को जांच में घेरा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय में इस पर सुनवाई होने वाली है। उसने भारत पर कुछ मैन्युक्चरिंग सेक्टरों में ओवरकैपिसिटी और प्रोडक्शन का आरोप लगाया है। भारतीय व्यापार अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि 8 मई को अमेरिकी दावों का खंडन करने के लिए अपनी बात रखेंगे। यह मामला दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में एक अहम मसला है। यह सुनवाई ऐसे समय हो रही है जब भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षपीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत हो रही है। इसने काफी असमंजस की स्थिति पैदा की है। अमेरिका ने मार्च में अमेरिकी व्यापार

अधिनियम के सेक्शन 301 के तहत जांच शुरू की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि भारत ने पेट्रोकेमिकल्स, स्टील और सोलर मॉड्यूल में काफी ज्यादा अतिरिक्त क्षमता (एक्सेस कैपेसिटी) बना ली है। साथ ही, कपड़ा, स्वास्थ्य, निर्माण सामग्री और ऑटोमोटिव सामान जैसे क्षेत्रों का भी जिक्र किया गया। इन सेक्टरों में नई दिल्ली के पास ग्लोबल ट्रेड सरप्लस है। भारत ने इन दावों को खारिज कर दिया है। इस सुनवाई में प्लास्टिक, सूती कपड़ा, सोलर मैन्युफैक्चरिंग और ऑटो कंपोनेंट्स (पुर्जों) से जुड़े उद्योगों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। 2025 में अमेरिका के साथ अपने 42 अरब डॉलर के बाइलेट्रल ट्रेड सरप्लस (व्यापार अधिशेष) के मुद्दे पर नई दिल्ली ने कहा कि दो देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार अधिशेष एक मैक्रोइकोनॉमिक घटना है। यह कई स्थितियों के मेल का परिणाम होती है। इसमें कुछ नॉन-मार्केट इकोनॉमीज की भूमिका भी शामिल है।

भारत के खिलाफ शुरू की है एक और जांच

इसके अलावा, यूएसटीआर ने 12 मार्च को भारत और कुछ अन्य देशों के खिलाफ एक और जांच शुरू की है। यह जांच फोर्स्ड लेबर के मुद्दे पर ऐक्शन न करने के आरोप में शुरू की गई है। इस मामले में भी भारत ने अपना पक्ष रखा है। यह कहते हुए कि ऐसी जांच जरूरी कानूनी शर्तों को पूरा नहीं करती है।

यूपी व बिहार में आंधी बिजली ने ढाया 'कहर'

- 24 घंटे में 31 लोगों की मौत, दिल्ली में ओले गिरे

हरियाणा में तूफान से 15 हजार से ज्यादा पेड़ उखड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में चक्रवात बनने से देश के बड़े हिस्से में मौसम बदल गया है। दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक ट्रफ बनी हुई है, जिससे उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का असर है। दिल्ली में मंगलवार दोपहर को ओले गिरे।

पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश, बिहार समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में आंधी और तेज बारिश हुई। यूपी में आंधी-बारिश से 8 लोगों की मौत हो गई। पीलीभीत में ईंट-भट्ठे की 100 फीट ऊंची चिमनी ढह गई। बिहार में 22 जिलों में आंधी-बारिश हुई। बिजली गिरने से 7 बच्चों समेत 23 लोगों की मौत हो गई। 2 महिलाएं झुलस गईं। आज 18 जिलों तेज बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में सोमवार को तापमान में 8 डिग्री की गिरावट आई। जयपुर समेत कई

शहरों का अधिकतम तापमान 35 से कम रहा। हरियाणा में तेज आंधी से 15 हजार से ज्यादा पेड़ उखड़ गए। हिमाचल प्रदेश के सोलन का तापमान सोमवार को 4.8 डिग्री रहा। यह मई महीने का अब तक का सबसे कम तापमान है। इससे पहले 14 मई 2021 को 9.4 डिग्री तापमान रहा था। मध्य प्रदेश में मई महीने में तेज गर्मी की जगह बारिश और आंधी की स्थिति है। सोमवार को 15 जिलों बारिश और ओलावृष्टि का असर रहा। कई जगहों पर तेज आंधी भी चली।

राहुल गांधी का पीए बताकर उत्तराखंड की महिला से ठगी

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में ठग ने राहुल गांधी का पीए बताकर महिला से 25 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। आरोपियों ने विधानसभा चुनाव में टिकट दिलाने का भरोसा देकर महिला को झांसे में लिया। इस दौरान आरोपी ने महिला को प्रदेश के बड़े नेताओं की आवाज भी सुनाई। भरोसा जीतने के बाद अलग-अलग बहानों से उससे बड़ी रकम वसूली गई, जिसके बाद आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। पीड़िता के अनुसार, जब वादा पूरा नहीं हुआ तो महिला को ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पूरे नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। महिला ने ठगी गई रकम की बरामदगी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कौन होगा बंगाल का सीएम, तय करेंगे शाह

- पार्टी ने दी जिम्मेदारी, बनाया वेस्ट बंगाल का पर्यवेक्षक
- जेपी नड्डा को असम की जिम्मेदारी, बनाए गए प्रभारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम में नई सरकार के गठन के लिए भारतीय जनता पार्टी ने पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। गृह मंत्री अमित शाह और ओडिशा के सीएम मोहन चरण मांझी पश्चिम बंगाल के पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। असम के लिए जेपी नड्डा और हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी पर्यवेक्षक होंगे। अमित शाह अगले 2-3 तीनों में कोलकाता जाएंगे और विधायकों से बातचीत करेंगे। पश्चिम बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण 9 मई को होगा। पहले शपथ समारोह रवींद्रनाथ टैगोर के जन्मदिन यानी 7 मई पर होने की चर्चा सामने आई थी। पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने बड़ी जीत हासिल की है। पार्टी को 206 सीटें हासिल हुई है, जबकि टीएमसी को 82 सीटें मिली हैं। ओडिशा के सीएम मोहन मांझी और हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी सह पर्यवेक्षक की भूमिका में रहेंगे।

हम हारे नहीं, हमें हराया गया है

- ममता बोलीं- लड़ाई बीजेपी से नहीं, ईसी से थी

बंगाल नतीजों पर कहा-आयोग ही असली विलेन

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंन्स में कहा कि उनकी पार्टी चुनाव हारी नहीं है बल्कि हराई गई है। कोलकाता में उन्होंने बांग्ला में कहा, हम हारे नहीं बल्कि हमें हराया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि ये लड़ाई भाजपा से नहीं थी बल्कि चुनाव आयोग से थी। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मिलकर और चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर हमें चुनाव में हराया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह वापसी करेंगी।

- **अब मैं आजाद चिड़िया, अपने तरीके से काम करूंगी-** ममता ने कहा- मेरा लक्ष्य बिल्कुल साफ है। अब मैं एक आम व्यक्ति की तरह इंडिया गठबंधन को मजबूत करूंगी। अभी मेरे पास कोई पद नहीं है, इसलिए मैं एक सामान्य नागरिक हूं। मैंने अपना पूरा जीवन लोगों की सेवा में दिया है। इन 15 सालों में मैंने एक पैसा भी पेंशन नहीं लिया और न ही कोई वेतन लिया। अब मैं एक आजाद चिड़िया हूं, इसलिए जो काम करना है, वह मैं अपने तरीके से करूंगी।
- **भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर गेम खेला-** ममता ने कहा- चुनाव से दो दिन के पहले भाजपा ने बंगाल में लोगों की गिरफ्तारियां शुरू करवा दीं। भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर ये पूरा गेम खेल रही थी। पीएम मोदी और अमित शाह ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर 93 लाख लोगों के नाम एसआईआर से काट दिए। ममता ने कहा- मैंने अपने जीवन में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा। मैं 2004 में अकेली थी, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे और अखिलेश यादव सभी ने मुझसे फोन पर बात की। मैंने उन्हें बताया है कि साथ हूं।
- **काउंटिंग सेंटर पर पेट और पीठ पर लात मारी-** ममता ने कहा- हमें सोमवार को काउंटिंग रूम में नहीं जाने दिया गया। उन्होंने हमारे लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को मारना शुरू कर दिया। 200 सीआरपीएफ और बाहर के गुंडों ने मारपीट की। जब मैं वहां पहुंचीं तो मेरी गाड़ी रोकी गई। उन्होंने हमारे एजेंट्स को काउंटिंग रूम के अंदर नहीं जाने दिया। मैं कुछ देर बाहर खड़ी रही। उन्होंने मेरे पेट और पीठ पर लात मारी। मुझे धक्का देकर निकाला। ममता ने कहा- दुख की बात है कि इस चुनाव में मुख्य चुनाव आयुक्त लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों और ईवीएम को लूटने में विलेन बन गए। हमने पूरे सिस्टम के खिलाफ लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। एसआईआर में 90 लाख नाम हटा दिए गए थे। जब हम कोर्ट गए, तब 32 लाख नाम वापस जोड़े गए। उन्होंने बहुत गंदे और चालाक तरीके अपनाए। बीजेपी ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर खेला किया है। मैं शेर की तरह लड़ूंगी।

सम्राट की टीम में शामिल हो सकते हैं युवा विधायक

- बिहार में 7 मई को होगा मंत्रिमंडल का विस्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार में मंत्रिमंडल के विस्तार की तारीख का ऐलान हो गया है। नई सरकार के गठन के बाद अब 7 मई को नई कैबिनेट का गठन होगा। अभी तक मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और दोनों उपमुख्यमंत्री वियज चौधरी और बिजेंद्र यादव के ही पास सारे विभागों की जिम्मेदारी थी। हालांकि, अब नए लोगों को विभिन्न विभागों की जिम्मेदापी सौंपी जाएगी। इससे

जनता के हितों में किए जा रहे कार्यों को और गति मिलने की संभावना है। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार गांधी मैदान में होगा।

- पंजाब भी टेढ़ी खीर, बंगाल जीतने के बाद बनाना होगा धुरंधर प्लान

बीजेपी के लिए आसान नहीं 2027! यूपी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बात उस समय की जब पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव आखिरी दौर में था। 29 अप्रैल को लास्ट फेज के लिए वोटिंग होनी थी। सियासी पार्टियां आगे की रणनीतिक तैयारी में जुटी थीं। इस बीच 28 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन उत्तर प्रदेश में थे। वे लोगों का समर्थन जुटा रहे थे और विपक्ष पर हमला बोल रहे थे, क्योंकि विपक्ष ने संसद में महिला आरक्षण बिल में संशोधन करने के केंद्र सरकार के कदम को नाकाम कर दिया था। इससे चार दिन पहले, पार्टी के कुछ अहम पदाधिकारी पश्चिम बंगाल से दिल्ली रवाना हुए थे, ताकि आम आदमी पार्टी के सात सांसदों (जिनमें से एक को छोड़कर बाकी सभी पंजाब से थे) को बीजेपी में शामिल कराया जा सके।

बीजेपी की नजर हमेशा अपने लक्ष्य पर- हम ये पूरा घटनाक्रम इसलिए बता रहे क्योंकि बीजेपी को लेकर हमेशा से कहा जाता रहा है कि

वो अपने मिशन में जुटी रहती है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की इस बात के लिए विरोधी भी दबी जुबान में तारीफ करते हैं कि वह कभी भी अपने लक्ष्य से नजर नहीं हटाती। जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल में मिली पहली जीत, 2014 के बाद से बीजेपी को दूसरे राज्यों में मिली विक्ट्री से कहीं ज्यादा चमकदार है। वहीं असम में लगातार तीसरी हैट्रिक जीत, पार्टी के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाता है। इन जीत के बावजूद भी पार्टी नेतृत्व अभी से भविष्य की राजनीतिक लड़ाइयों की तैयारी में जुट गया है।

पश्चिम बंगाल की जीत ने फूंक दी नई जान- पश्चिम बंगाल में मिली जीत ने बीजेपी की वैचारिक नींव में नई जान फूंक दी है।

2027 मिशन पर बीजेपी का फोकस

उत्तर प्रदेश, अपने विशाल आकार और जनसंख्या के कारण, बीजेपी की राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में हमेशा से ही एक बेहद अहम भूमिका निभाता रहा है। 80 सांसद यानी लोकसभा की लगभग 15 फीसदी सीटों वाला यूपी, 2014 में संसद में बीजेपी को पहली बार बहुमत दिलाने में अहम रहा था। तब इसने पार्टी की कुल 282 सीटों में से 71 सीटें दिलाई थीं। और जब समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2024 में बीजेपी की सीटों की संख्या 62 से घटाकर 33 कर दी, तो बीजेपी बहुमत से पीछे रह गई और बहुमत पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

यूपी और पंजाब को लेकर रणनीति तैयारी तेज

2024 में बीजेपी को झटका देने के बाद, अखिलेश यादव अब पीडीए के सामाजिक गठबंधन को और मजबूत करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। ऐसे में, सत्ताधारी पार्टी से यह उम्मीद की जा रही है कि वह अपना समर्थन आधार फिर से बनाने के लिए कदम उठाएगी। वहीं पंजाब में पार्टी ऐक्टिव है। यह समर्थन आधार गैर-यादव और गैर-जाटव एससी समुदायों से बना है, जो लोकसभा चुनावों के दौरान पार्टी से दूर चले गए थे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मध्य रेल में ओबीसी एसोसिएशन की बैठ, महासचिव सुबोध पोद्दार ने 35 सूत्रीय मांग पत्र किया प्रस्तुत

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर में सोमवार को ऑल इंडिया ओबीसी रेलवे एम्प्लॉइज एसोसिएशन और महाप्रबंधक के बीच एक अनौपचारिक बैठक हुई। इस बैठक में रेल कर्मियों के अधिकारों, संगठनात्मक गरिमा और कार्यप्रणाली में सुधार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार और महासचिव सुबोध पोद्दार ने किया। एसोसिएशन ने मास्टर सर्कुलर 65 के उल्लंघन और महासचिव सुबोध पोद्दार के स्थानांतरण पर चिंता व्यक्त की। इसे नियमों के विरुद्ध बताते हुए पूर्व मध्य रेल (ECR) में पूर्ण पारदर्शिता लागू करने की मांग की गई। महासचिव सुबोध पोद्दार ने प्रशासन के समक्ष 35 सूत्रीय मांग पत्र प्रस्तुत किया। इसमें रेल आवासों की स्थिति में तत्काल सुधार, सीएलआई रिक्तियों की समीक्षा और चयन प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग शामिल थी।

इसके अतिरिक्त, रनिंग रूम में टीटीई की सुविधा, रनिंग स्टाफ का लीव ट्रेनिंग रिजर्व 17% से बढ़ाकर 30% करना और रनिंग विभाग का बीओएस बढ़ाना भी प्रमुख मांगों में से थे। अन्य मांगों में गैंगहट्स की स्थिति और ट्रैकमैन के उपकरणों की गुणवत्ता में सुधार, जीडीसीई और विभागीय परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना शामिल था। कर्मचारियों के लिए बरवाडीह में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना और 10,000 रुपये एम्बुलेंस भत्ता देने की भी मांग की गई। कैंसर पीड़ित रेल कर्मियों के परिजनों के लिए रेस्ट हाउस की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। एसोसिएशन ने हाजीपुर में खेल विकास के लिए स्टेडियम बनाने और दानापुर स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने का सुझाव भी दिया। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने इन सभी सुझावों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, ईमानदारी और विकास के पथ पर पूर्व मध्य रेल को देश का नंबर-1 जोन बनाना मुख्य लक्ष्य है। महाप्रबंधक ने सभी 35 बिंदुओं पर त्वरित और सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा भी दिया। प्रशासन की ओर से बैठक में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, अपर महाप्रबंधक अमरेंद्र कुमार सिंह, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक इंद्राणी सहित सभी पीएचओडी (प्रधान विभागाध्यक्ष) मौजूद रहे।

ऑनलाइन ठगी के 85,000 रुपए पीड़ित को मिले वापस, वैशाली साइबर थाना ने की कार्रवाई

हाजीपुर। वैशाली साइबर थाना ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को 85,000 रुपए वापस दिलाए हैं। यह घटना नगर थाना क्षेत्र के हथसारगंज गांव में हुई थी। हथसारगंज निवासी राकेश तिवारी के बेटे निखिल कुमार को ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर ठगी का शिकार बनाया गया था। ठगों ने उनके बैंक खाते से पैसे निकाल लिए थे। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली साइबर थाना ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने संबंधित बैंक और तकनीकी माध्यमों से समन्वय स्थापित किया, जिसके परिणामस्वरूप ठगी गई राशि को तुरंत होल्ड कर लिया गया।

लगातार प्रयासों के बाद, होल्ड की गई कुल राशि में से 85,000 रुपए सफलतापूर्वक आवेदक निखिल कुमार के खाते में वापस जमा करा दिए गए। इस संबंध में साइबर थाना में कांड संख्या 29/24 दर्ज किया गया था। वैशाली पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाना/साइबर सेल में सूचना दें। समय रहते सूचना देने से ठगी गई राशि को सुरक्षित किया जा सकता है।

मुजफ्फरपुर में मारपीट में घायल किशोर की मौत, अस्पताल के बाहर लोगों का हंगामा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मारपीट में घायल किशोर की मौत हो गई। एक सप्ताह से इलाज चल रहा था। मौत की खबर मिलते ही लोगों का गुस्सा भड़क गया। अस्पताल कैंपस में जमकर हंगामा किया। मृतक की पहचान रेलवे कॉलोनी निवासी प्रदीप राम के पुत्र विक्रम कुमार (14) के तौर पर हुई है। मां आशा देवी ने आरोप लगाया है कि बीते सप्ताह मंगलवार की रात किसी ने फोन कर विक्रम को बुलाया था। इसके बाद हमलावरों ने उसके साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित भी किया। गंभीर हालत पहले SKMCH में भर्ती कराया था। बाद में प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए, फिर भी उसकी जान नहीं बची।

एसडीपीओ सिटी-2 विनीता सिन्हा ने बताया कि परिजनों के लिखित आवेदन पर संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने इस मामले में अब तक एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में संलिप्त अन्य आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर आरोपियों के खिलाफ समय रहते सख्त कार्रवाई होती, तो शायद ऐसी नौबत न आती। फिलहाल, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रभावित इलाकों और अस्पताल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

मुजफ्फरपुर में ट्रांसपोर्टर से 20 लाख की ठगी, खुद को जज बताकर खाते में ट्रांसफर कराए रुपए

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां साइबर अपराधी ने खुद को पटना हाईकोर्ट का जज बता कर ट्रांसपोर्टर से 20 लाख रुपए ठग लिए। इस पूरे मामले में अपराधी ने अपर जिला परिवहन पदाधिकारी (एडीटीओ) के माध्यम से संपर्क साधकर भरोसा कायम किया और वारदात को अंजाम दिया। अपर जिला परिवहन पदाधिकारी कुमार विवेक ने मामले में सदर थाने में लिखित शिकायत देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, 24 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 11:45 बजे अपर जिला परिवहन पदाधिकारी कुमार विवेक के मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को पटना हाईकोर्ट का जज राजीव रंजन बताया और मुजफ्फरपुर के किसी विश्वसनीय ट्रांसपोर्टर का नंबर मांगा। उच्च पदाधिकारी समझकर ADTO ने ट्रांसपोर्टर उदय शंकर प्रसाद सिंह का मोबाइल नंबर साझा कर दिया। इसके बाद ठग ने ट्रांसपोर्टर से संपर्क किया और जरूरी काम का हवाला देते हुए बातचीत शुरू की। शुरुआत में ट्रांसपोर्टर ने असमर्थता जताई, लेकिन आरोपी ने बार-बार कॉल कर दबाव बनाया और खुद को जज बताते हुए भरोसा दिलाया कि पैसों की जरूरत तत्काल है और राशि जल्द लौटा दी जाएगी। आवेदन के मुताबिक, 24 अप्रैल की शाम तक ट्रांसपोर्टर ने ठग के बताए अनुसार अलग-अलग माध्यमों से कुल 20 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। पैसे भेजने के बाद जब संपर्क करने की कोशिश की गई तो आरोपी का मोबाइल नंबर बंद मिला। 29 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे ट्रांसपोर्टर ने पूरे मामले की जानकारी परिवहन पदाधिकारी को दी। इसके बाद ठगी का खुलासा हुआ और तत्काल सदर थाने में लिखित शिकायत दी गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। कॉल डिटेल और साइबर ट्रेल खंगाले जा रहे हैं, साथ ही जिन बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर हुए हैं, उनकी भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

नावों में ओवरलोडिंग होने पर होगी सख्ती, नियम तोड़ने पर कार्रवाई

एजेंसी, पटना

अंचल स्तर पर कैंप लगाकर नावों का होगा रजिस्ट्रेशन

पटना में नदियों के जरिए होने वाले आवागमन को सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन अब पूरी तरह सख्त मूड में है। डीएम, पटना ने आज बैठक बुलाकर कहा कि नाव संचालन में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खासकर ओवरलोडिंग, बिना रजिस्ट्रेशन नाव चलाना या सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों पर सीधी कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपने-अपने इलाकों में लगातार निगरानी रखें। जहां भी नियमों का उल्लंघन हो, वहां तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने दो टूक कहा कि "जन-सुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है।"

घाटों पर बढ़ी निगरानी: पटना के दीघा पाटीपुल घाट, जेपी सेतु पूर्वी, कलेक्ट्रेट घाट, कंगन घाट, गायघाट, कच्ची दरगाह, नासरीगंज, हल्दी छपरा, उमानाथ घाट और सीढ़ी घाट जैसे कई प्रमुख घाटों पर रोजाना बड़ी संख्या में लोग नाव से सफर करते हैं। प्रशासन को निरीक्षण के दौरान यह देखने को मिला कि कई नावों पर क्षमता से ज्यादा लोग, यहां तक कि मवेशी और छोटे-बड़े वाहन भी लादे जा रहे हैं। इससे हादसों का खतरा काफी बढ़ जाता है।

रात में नाव चलाने पर पूरी रोक: सबसे बड़ा फैसला यह लिया गया है कि सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले किसी भी हालत में नाव संचालन की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तय है। जिलाधिकारी ने यह भी साफ किया कि मौसम खराब रहने पर नाव चलाने पर पूरी तरह रोक रहेगी, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके।

चिन्हित घाटों से ही संचालन: अब नावों का संचालन सिर्फ तय और सुरक्षित घाटों से ही होगा। जो घाट खतरनाक माने गए हैं, वहां से नाव चलाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन सिर्फ कार्रवाई ही नहीं, बल्कि जागरूकता पर भी जोर दे रहा है। पटना स्मार्ट सिटी और अन्य विभागों के जरिए घाटों पर लगे पीए सिस्टम से लगातार अनाउंसमेंट कर लोगों को नियमों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही अंचल अधिकारी नाविकों के साथ बैठक कर उन्हें सभी निर्देश समझाएंगे।

नियमित जांच और रिपोर्टिंग: अधिकारियों को यह भी कहा गया है कि वे समय-समय पर निरीक्षण करें और उसकी रिपोर्ट अपने वरीय अधिकारियों को दें। साथ ही जिला आपदा प्रबंधन शाखा को भी इसकी जानकारी दी जाएगी। नावों के रजिस्ट्रेशन और संचालन को लेकर "बंगाल फेरी एक्ट, 1885" और "बिहार आदर्श नौका नियमावली-2011" के तहत सख्ती से नियम लागू किए जाएंगे। इसके लिए अंचल स्तर पर कैंप लगाकर नावों का रजिस्ट्रेशन भी कराया जाएगा।

जेठुली हत्याकांड के अभियुक्त को किया गिरफ्तार, 50 हजार का इनाम है घोषित

एजेंसी, पटना

तीन साल पहले गोली बारी में 4 मौतें हुईं थी

पटना में करीब तीन साल पहले के जेठुली हत्याकांड में 50 हजार के इनामी अभियुक्त पप्पू कुमार उर्फ पप्पू राय को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुष्टि ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने फतुहा एसडीपीओ कार्यालय में पीसी की जरिए दी है। हत्याकांड नदी थाना क्षेत्र के जेठुली गांव में हुआ था।

दरअसल, 19 फरवरी 2023 की शाम जेठुली में विवाद की शुरुआत मामूली पार्किंग और रास्ते में गिट्टी-बालू गिराने को लेकर हुई थी। ग्राम जेठुली के दबंग उमेश राय और उनके परिजनों का विवाद दिलीप कुमार के भतीजे बिट्टू कुमार से हुआ था। देखते ही देखते इस मामूली कहासुनी ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया था। उमेश राय, बच्चा राय, रामप्रवेश राय और रमेश राय जैसे रसूखदार आरोपियों ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर फायरिंग शुरू कर दी थी। गोलीबारी में गांव के ही 4 हत्या हुई थी।

4 की मौत के बाद पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया था। उपद्रवियों ने आरोपियों के घर और गोदामों में आग लगा दी थी। मामले को लेकर नदी थाना में मामला दर्ज किया गया। जिसमें हत्या (धारा 302), आर्म्स एक्ट और दंगा भड़काने जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई थी। लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के लिए पुलिस ने जाल बिछाया था। ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने बताया कि विशिष्ट आसूचना इकाई (SIU) पटना के सहयोग से बीते मंगलवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने 50 हजार के इनामी अभियुक्त पप्पू कुमार को बेऊर इलाके से गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीण एसपी ने एक और मामल का जिक्र किया है। 1 फरवरी 2026 को ग्राम बांसतल में पैसे के लेनदेन को लेकर मारपीट हुई थी। जिसमें लापता अमित कुमार का शव 5 फरवरी को गंगा नदी से बरामद हुआ था। अप्राथमिकी अभियुक्त संजय राय को पुलिस ने बांसतल स्थित उसकी दुकान से गिरफ्तार कर लिया है।

कदमकुआं वेंडिंग जोन में दुकानदारों का किराया होगा फिक्स

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की 22वीं साधारण बैठक आज मेयर सीता साहू की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक में शहर के लोगों को सुविधा और विकास कार्यों को गति देने वाले 24 एजेंडों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही कदमकुआं वेंडिंग जोन में दुकानदारों का किराया फिक्स किया जाएगा। वहीं, स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 पर भी विशेष चर्चा होगी। इसमें पिछली बैठक की कार्रवाई की पुष्टि भी की जाएगी। गर्मी में पेयजल संकट से निपटने के लिए वार्ड संख्या-2, 40 और 68 में पानी की पाइपलाइन के विस्तार पर मुहर लगेगी। वहीं, वार्ड 22 में सदाकत आश्रम पेट्रोल पंप के पास सरकारी जमीन और वार्ड-39 में भंवर पोखर पार्क के पास नई हाई यील्ड बोरिंग लगाने का प्रस्ताव भी पारित हो सकता है। वार्ड-45 में 90 फीट सड़क से आंबेडकर चौक तक के मार्ग का नाम बदलकर मानस मंदिर पथ करने और वार्ड-33 कंकड़बाग के एफ-सेक्टर दक्षिणी पार्क के सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव भी एजेंडे में शामिल है। वार्ड-72 में बाग जाफर खां घाट पर एक नया विद्युत शवदाह गृह बनाने का प्रस्ताव है। सीवर के काम में सुरक्षा बढ़ाने के लिए पटना नगर निगम क्षेत्र में मैनहोल निर्माण और मरम्मत के लिए मैनहोल एंबुलेंस इस्तेमाल पर भी चर्चा होगी।

वहीं, छठ महापर्व 2026 के लिए नौजरघाट, सीढ़ीघाट, चित्रगुप्त घाट, कॉलोनी घाट, दुल्लीघाट, आदर्श घाट, मित्तन घाट, सीता घाट, गायघाट, मिरचाई घाट, हीरा नंद साह घाट, झाउगंज घाट और कंगन घाट पर डबल बैरिकेडिंग लगाने को मंजूरी मिलेगी।

पटना के होटल में मिलने पहुंचे कपल, बॉयफ्रेंड की लाश मिली, गर्लफ्रेंड बोली- कैसे मरा पता नहीं

एजेंसी, पटना

लड़के के परिवार ने कहा- लड़की ने मारा

पटना के रुद्र होटल में शादीशुदा युवक की लाश मिली है। वो अपनी गर्लफ्रेंड चंचल कुमारी उर्फ रिया के साथ होटल में ठहरा था। बताया जा रहा है कि लंबे समय से दोनों का अफेयर चल रहा था। मृतक के परिजन ने गर्लफ्रेंड पर हत्या का आरोप लगाया है। जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। मृतक की पहचतान संतोष कुमार (30) के रूप में हुई है। वो जहानाबाद का रहने वाला था। संतोष का शव होटल के कमरे में पंखे से चादर के सहारे लटका मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मामला रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र की है।

गर्लफ्रेंड बोली- कब सुसाइड कर लिया, पता नहीं: पुलिस की पूछताछ में गर्लफ्रेंड चंचल कुमारी ने बताया, हम दोनों का 2 साल से अफेयर चल रहा था। हम अक्सर छिप-छिपकर मिला सकते थे। होटल में हम मिलने ही आए थे। मैं रूम में सो रही थी। संतोष ने सुसाइड कब किया मुझे इस बात की जानकारी नहीं हुई। जब मेरी नींद खुली तो मैंने संतोष को फंदे से लटका हुआ देखा। उसकी मौत हो चुकी थी।

रात में गर्लफ्रेंड ने एंबुलेंस बुलवाई थी: रूद्र होटल के मैनेजर रितेश कुमार ने बताया, 'सोमवार दोपहर करीब 12 बजे संतोष एक महिला के साथ आए थे। महिला भी शादीशुदा थी। होटल का कमरा नंबर-205 बुक कराया था। संतोष ने अपना पता आधार कार्ड के अनुसार जहानाबाद बताया था। आंचल का पता उसके आधार कार्ड में यूपी का था। आधार कार्ड को पुलिस ने जब्त कर लिया है। रात 11 बजे दोनों ने खाना मंगाया था। रात में करीब डेढ़ बजे आंचल ने एंबुलेंस बुलाई थी। आंचल ने कहा कि संतोष की तबीयत खराब हो गई है। अस्पताल ले जाना होगा। जब तक एंबुलेंस आई संतोष की मौत हो गई थी। जिसके बाद होटल के स्टाफ ने मुझे जानकारी दी। मैं होटल पहुंचा। हम लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस होटल का सीसीटीवी, रजिस्टर सहित आधार कार्ड भी अपने साथ ले गई है।'

सोमवार शाम दोनों होटल पहुंचे थे: DSP रंजन ने बताया, संतोष अपनी गर्लफ्रेंड के साथ सोमवार को होटल में पहुंचे थे। दोनों ने एक कमरा लिया और देर रात संतोष की मौत हो गई। लड़की का कहना है कि संतोष ने सुसाइड किया है, जबकि संतोष के परिजन लड़की पर मर्डर का आरोप लगा रहे हैं। FSL की टीम से जांच करवा रहे हैं। मौके से सबूत जुटाए जा रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद भी मौत के असली कारण का पता चलेगा। परिजन के आवेदन पर आगे की कार्रवाई होगी।

पटना-बगहा में छाए बादल, 10 जिलों में रेड अलर्ट, 8 मई तक ऐसा ही रहेगा मौसम

एजेंसी, पटना

बिहार में सोमवार को आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 7 बच्चों समेत 24 लोगों की मौत हो गई। 2 महिलाएं झुलस गईं। गयाजी में 6 लोगों जान गई है। पूर्वी-पश्चिमी चंपारण में भी 6 लोगों की मौत हुई है। खगड़िया में भी 70 साल के बुजुर्ग की ठनका गिरने से मौत हो गई। जबकि पत्नी-बहू झुलस गईं। बाढ़ में आंधी-बारिश के दौरान पेड़ के नीचे दबकर एक किसान की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने अगले 48 से 72 घंटे बेहद संवेदनशील बताए हैं। आज भी प्रदेश के 18 जिलों भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं पटना, भोजपुर समेत 10 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घंटे में 22 जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। सीवान में ओले गिरे, जबकि पटना, गोपालगंज, औरंगाबाद में भी तेज बारिश के बाद सड़कों पर करीब 3 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आंधी-बारिश की ये स्थिति 7 मई तक रहेगी। इस दौरान तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की गिरावट हो सकती है। हालांकि, 8 मई के बाद मौसम साफ होने की उम्मीद है।

पटना में 60 किमी की रफ्तार से चली आंधी: पटना में मौसम के अचानक भयावह रूप ले लिया। सोमवार दोपहर बाद करीब चार बजे आसमान काले बादलों से घिर गया। ऐसा लगा जैसे दिन में ही रात हो गई हो। तेज आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राजधानी पटना समेत कई जिलों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। आंधी इतनी तेज थी कि पूरा

♦ आंधी-बारिश से बीते 24 घंटे में 25 मौतें

शहर धूल के गुबार में छिप गया और सड़कों पर गाड़ियों की हेडलाइट जलानी पड़ी। एक घंटे की भारी बारिश ने पटना की रफ्तार थाम दी। निचले इलाकों में जलजमाव हो गया और सड़कों पर लंबा जाम लग गया। लोग जहां थे, वहीं फंसे रह गए।

कहीं बिजली के खंभे उखड़ गए, कहीं पेड़ गिरे: कई जिलों में भारी नुकसान हुआ। सीवान और बक्सर में ओले गिरे। ट्रांसफार्मर और बिजली के खंभे उखड़ गए हैं। समस्तीपुर, मधुबनी, दरभंगा और सीतामढ़ी में पेड़ सड़कों पर गिर गए हैं, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। पटना में 39 मिलीमीटर और गया में सबसे अधिक 47 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वाल्मीकि नगर में 26.2 मिमी, मोतिहारी में 22.3 मिमी और समस्तीपुर में 19.5 मिमी बारिश हुई।

मैरिज एनिवर्सरी के दिन ड्राइवर की पत्नी को पीटा, चाकू भी मारा

नर्तकियों से 15 हजार रुपए भाड़ा लेने गई थी महिला

एजेंसी, पटना

पटना में ड्राइवर की पत्नी को मारपीट कर घायल दिया। सिर में चोट आई है। चाकू से भी वार किए गए हैं। घायल सुनीता कुमारी का कहना है कि मेरे पति महेंद्र कुमार नर्तकियों को गाड़ी से किसी प्रोग्राम में लेकर गए थे। वहां ले जाने का किराया 15000 था। जो नर्तकियों ने उस वक्त नहीं दिया था। आज सुबह मुझे नर्तकियों ने मुझे बुलाया। मुझे लगा कि किराया देने के लिए बुलाया होगा। मेरा आज मैरिज एनिवर्सरी भी है। सोचा था रुपए मिलेंगे तो नए कपड़े खरीदूंगी।

पर मैं पहुंची तो नर्तकियों ने मेरे साथ मारपीट की। सचिन नाम के युवक ने मुझे उठाकर पटक दिया। मारपीट में काजल भी शामिल है। दोनों ने मुझे चाकू भी मारा। घटना जक्कनपुर थाना क्षेत्र के रोड नंबर-2 की है। घायल महिला को स्थानीय लोगों ने मीठापुर बाइपास के पास एक निजी नर्सिंग होम में एडमिट कराया। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। उसके सिर में चोट लगी है। हमले में उसका बहुत खून बह चुका है। घटना की जानकारी मिलने के बाद नर्सिंग होम में जक्कनपुर थाने की पुलिस भी पहुंची थी। वहां महिला से घटना की जानकारी ली। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

पीएम की मौजूदगी में बिहार के मंत्री लेंगे शपथ

एजेंसी, पटना

बिहार की राजनीति में 7 मई का दिन बेहद अहम होने जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घोषणा की है कि 7 मई को पटना के गांधी मैदान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल विस्तार कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारी जोरों पर है। संजय सरावगी ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेता नितिन नवीन और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति भी रहेगी। इन दिग्गज नेताओं की मौजूदगी से यह कार्यक्रम न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी खास महत्व रखता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह कैबिनेट विस्तार राज्य में सुशासन और विकास को गति देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। नए मंत्रियों के शामिल होने से सरकार की कार्यक्षमता बढ़ेगी और विभिन्न विभागों में बेहतर समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि विस्तार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो सके। गांधी मैदान में तमाम मंत्रियों को शपथ दिलाने के साथ ही कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश देने की कोशिश की जा रही है। बिहार में पहली बार बीजेपी का मुख्यमंत्री बनने के बाद अपने कार्यकर्ताओं को बीजेपी संदेश दे रही है कि बीजेपी के लिए यह बड़ा मौका है।

नाला निर्माण के लिए अब नहीं खोदी जाएंगी सड़कें

एजेंसी, पटना

2 सीवरेज पंपिंग स्टेशन बने, निगम क्षेत्र में 140 जलजमाव स्थल की हुई पहचान

पटना में मानसून से निपटने के लिए बुडको ने दो सीवरेज पंपिंग स्टेशन (SPS) का निर्माण किया है। राजीव नगर और बोरिंग रोड, पानी टंकी के पास एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत इसका निर्माण किया गया है। इन दोनों इलाकों में बारिश के दौरान काफी जलजमाव होता है। यह प्रोजेक्ट नमामि गंगे की एक पहल है। नया सीवरेज नेटवर्क जल निकासी के लिए बनाने से अच्छा, जो पहले से बना हुआ है उसको सही से टैपिंग कर पानी को निकालने की कोशिश की जा रही है।

दोनों SPS के पानी को पंप आउट कर STP में भेजा जाएगा: सीवरेज से पानी को पंप आउट कर SPS में डाला जाएगा और फिर यहां से दीघा STP में ट्रीटमेंट के लिए भेजा जाएगा। इन दोनों सीवरेज पंपिंग स्टेशन (SPS) की क्षमता 103 एमएलडी है। इससे राजीवनगर, बोरिंग रोड, एसके पूरी, पानी टंकी, आनंदपुरी और आसपास के मोहल्लों को जलजमाव से निजात मिलेगी। इसके साथ ही पाटलिपुत्र और अटल पथ में बन रहे सीवरेज नेटवर्क का काम तेजी से चल रहा है। इसे भी मानसून से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। शहर में खुदाई और उससे पैदा होने वाली समस्याओं को देखते हुए नमामि गंगे प्रशासन ने अपनी रणनीति बदल दी है। जिन इलाकों में प्रोजेक्ट चल रहे है, उन्हें पूरा किया जाएगा। भविष्य में नई सीवर लाइन के लिए कहीं भी सड़कों या संकरी गलियों की खुदाई नहीं होगी। सड़क खोदने के बजाय अब इंटरसेप्शन एंड डाइवर्जन तकनीक अपनाई जाएगी। इसके तहत नालों के प्रवाह को ही आधुनिक तकनीक से मोड़कर एसटीपी से जोड़ा जाएगा।

एक घंटे की बारिश में जलमग्न हो गया था पटना: सोमवार की शाम महज एक घंटे की बारिश ने शहर को जलमग्न कर दिया था। पटना जंक्शन, जीपीओ गोलंबर, आर ब्लॉक, वीरचंद पटेल पथ, आयकर गोलंबर, कदमकुआं, राजेंद्रनगर, कंकड़बाग, गर्दनीबाग, अटल पथ, इंद्रपुरी, पाटलिपुत्र कॉलोनी, कुर्जी मोड़ से पीएनएम मॉल सहित अन्य इलाकों में जलजमाव होने से लोग परेशान रहे। वहीं, नमामि गंगे प्रोजेक्ट और नाला निर्माण वाले इलाकों में फिसलन और जलजमाव होने से चलना मुश्किल हो गया था। नगर निगम ने मानसून से पहले ही शहर के विभिन्न अंचलों में उन सभी संवेदनशील स्थलों की पहचान कर ली है, जहां जल जमाव की संभावना अधिक रहती है। इससे निपटने के लिए पहले से ही प्लान तैयार किए गए हैं। निगम क्षेत्र में करीब 140 जलजमाव स्थल की पहचान हुई है। निगम की ओर से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी स्थिति में जल का ठहराव लंबे समय तक न बने।

संक्षिप्त समाचार

छतौनी चौक के जाम से निजात दिलाने को प्रशासन सख्त, ठेला-दुकानें होंगी शिफ्ट

बीएनएम @ मोतिहारी। छतौनी चौक पर लगातार लग रहे भीषण जाम की समस्या को लेकर मंगलवार को नगर निगम मोतिहारी के सभाकक्ष में जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, अंचलाधिकारी सदर सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। साथ ही उप महापौर एवं संबंधित वार्ड पार्षद भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में छतौनी चौक पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वार्ड पार्षदों द्वारा दिए गए सुझावों के आलोक में चौक पर लगने वाले सभी अस्थायी ठेला एवं दुकानों को बेतिया रोड में शिफ्ट करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने अंचलाधिकारी सदर मोतिहारी को निर्देशित किया कि विभागीय अमीन से स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण की पहचान कराई जाए तथा नगर निगम के सहयोग से संबंधित स्थल को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, ताकि अस्थायी दुकानदारों एवं ठेला चालकों को व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित किया जा सके। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि भविष्य में उक्त स्थल पर दोबारा अतिक्रमण न हो, इसके लिए नगर निगम प्रतिदिन निगरानी रखे और नियमित अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाना सुनिश्चित करे। प्रशासन के इस निर्णय से छतौनी चौक क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार महिला की मौत, पति घायल

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के संग्रामपुर थाना के सामने मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति को ट्रक ने ठोकर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार दंपति बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान संग्रामपुर थाना के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि महिला ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने घायल पति को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। मृतक महिला की पहचान भवानीपुर चरपीपरा निवासी रामसेवक दास की पत्नी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रहस्यमयी बालक मिलाः 2–3 दिनों से हुसैनी में रह रहा, अपना नाम-पता बताने में असमर्थ

बीएनएम@ डुमरियाघाट। थाना क्षेत्र के हुसैनी गांव में एक अज्ञात बालक मिलने से इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह बालक पिछले 5–6 दिनों से यहीं हुसैनी भटक रहा था, लेकिन वह अपना नाम, पता या किसी भी प्रकार की पहचान बताने में असमर्थ है। बालक के व्यवहार से ऐसा प्रतीत होता है कि वह रास्ता भटक गया है या किसी कारणवश अपने परिजनों से बिछड़ गया है। ग्रामीणों ने मानवीय पहल करते हुए उसकी देखभाल की और इसकी सूचना पुलिस को दी।सूचना पर स्थानीय पुलिस ने बच्चे को अपने अभिरक्ष में ले लिया है।

पुलिस की अपीलः - डुमरियाघाट थाना पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी भी थाना क्षेत्र में किसी बच्चे के गुमशुदगी की सूचना दर्ज हुई हो या किसी को इस बालक के बारे में जानकारी हो, तो तुरंत डुमरियाघाट थाना से संपर्क करें, ताकि उसे उसके परिजनों से मिलाया जा सके।

मानवता की पुकार :-एक छोटी सी जानकारी इस मासूम को उसके परिवार से मिला सकती है।

सद्भावना पर सायाः संयोग या सुनियोजित षड्यंत्र?

बीएनएम@ सीकरहना। सिकरहना के पचपकड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत भंडार पंचायत में आयोजित नौ दिवसीय विष्णु महायज्ञ के दौरान निकली कलश यात्रा ने अचानक ऐसा मोड़ ले लिया, जिसने पूरे इलाके को असमंजस में डाल दिया है। दो समुदायों के बीच उपजा विवाद अब केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक बड़ा सवाल बन चुका है—क्या यह महज संयोग था या इसके पीछे कोई सुनियोजित षड्यंत्र छिपा है? स्थानीय लोगों के अनुसार, महायज्ञ की तैयारी पिछले एक महीने से चल रही थी। एक पक्ष नियमित बैठकें कर रहा था, जिसकी जानकारी दूसरे पक्ष तक पहुंच रही थी। लेकिन दूसरे पक्ष की गतिविधियां या तो गुप्त रहीं या फिर जानबूझकर अनदेखी की गईं। जैसे-जैसे यज्ञ का समय नजदीक आया, प्रशासन को सूचित कर शांति समिति की बैठकें भी कराई गईं। इन बैठकों में मुख्य विवाद का कारण सड़क उपयोग और ध्वनि विस्तारक यंत्र बना रहा। जहां एक पक्ष मुख्य सड़क से जुलूस निकालने पर अडिग था, वहीं दूसरा पक्ष इस पर आपत्ति जता रहा था। अंततः ध्वनि पर प्रतिबंध और आपसी सहयोग की सहमति बनी, लेकिन अंदरखाने तनाव बना रहा। नतीजा यह हुआ कि प्रशासनिक मौजूदगी के बावजूद कलश यात्रा के दौरान हंगामा खड़ा हो गया, जिसे नियंत्रित करने में अधिकारियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। यह घटना इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि पिछले तीन दशकों से यहां दोनों समुदायों के बीच आपसी सहमति से मुहर्रम और महावीरी झंडा जैसे जुलूसों पर रोक लगी हुई थी, जिससे शांति बनी रही। लेकिन अब उसी क्षेत्र में फिर से तनाव का माहौल बनना कई सवाल खड़े करता है। स्थानीय चर्चाओं में यह भी सामने आ रहा है कि कुछ स्वार्थी तत्वों ने अपने लाभ के लिए माहौल को भड़काया। यदि प्रशासन निष्पक्ष जांच करे—वीडियो फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर—तो सच्चाई सामने आ सकती है कि यह घटना एक आकस्मिक टकराव थी या किसी की सुनियोजित साजिश। फिलहाल प्रशासन की सतर्कता से स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन यह घटना एक चेतावनी है कि सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए केवल नियम नहीं, बल्कि पारदर्शिता और आपसी विश्वास भी जरूरी है।

हरसिद्धि में वसूली गैंग के पीछे कौन? मास्टरमाइंड पर कार्रवाई कब

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में अवैध वसूली के एक संगठित नेटवर्क को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में हरसिद्धि दुर्गा मंदिर के समीप पुलिस ने मो. हसमुद्दीन, पिता रहमतुल्लाह मियां, निवासी दुदही को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार वह टेंडर के नाम पर लोगों से अवैध वसूली कर रहा था। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से जिला परिषद की अवैध टिकट पर्चियां और 410 रुपये नकद बरामद किए गए।

जिला प्रशासन ने मामले को गंभीर बताते हुए स्पष्ट किया है कि अवैध वसूली और ठगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी

रहेगी। आम लोगों से भी अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की कार्रवाई फिलहाल केवल छोटे स्तर के लोगों तक सीमित है, जबकि इस पूरे खेल का असली मास्टरमाइंड अब भी गिरफ्त से बाहर है। इससे पहले भी इसी मामले में उदय प्रसाद, पिता पलटू प्रसाद को भी इन्हीं पर्चियों व चौबीस सौ रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया था, लेकिन महज चार दिनों के दिनों बाद फिर से वसूली का धंधा शुरू हो गया। इससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर इस गिरोह को संरक्षण

कौन दे रहा है।

सूत्रों की मानें तो इस नेटवर्क में कुछ प्रभावशाली लोगों और एक जनप्रतिनिधि से जुड़े व्यक्ति की भूमिका की चर्चा इलाके में हो रही है। स्थानीय लोगों का दावा है कि वसूली के दौरान पहले से वसूली करने वाले दो व्यक्ति समेत जिला पार्षद के पुत्र संदीप यादव को ऑटो स्टेण्ड में बैठे देखा गया था। जिसकी एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। हालांकि इस संबंध में प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस अवैध वसूली में कौन कौन लोग शामिल हैं इसकी भूमिका की जांच कर रही है। इधर कुछ लोगों द्वारा दावा किया जा रहा है कि मामले में एक महिला मुखिया के पुत्र के शामिल होने से भी इंकार नही किया जा सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि थाना के सामने खुलेआम अवैध ईंट विक्रेताओं की दुकानें कैसे सज रही हैं। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार इन दुकानों से भी कथित रूप से इसी गैंग द्वारा वसूली की जाती है। यदि यह सच है तो मामला केवल अवैध वसूली तक सीमित नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क की ओर इशारा करता है।

अब लोगों की निगाह पुलिस और प्रशासन पर टिकी है कि कार्रवाई केवल छोटे लोगों तक सीमित रहती है या फिर इस पूरे नेटवर्क के पीछे छिपे बड़े चेहरों और कथित सरगना तक भी जांच पहुंचती है।

सहयोग शिविर के सफल आयोजन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में मंगलवार को सदर अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी निशांत सिहारा की अध्यक्षता में सहयोग शिविर के आयोजन एवं उसके सफल क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल के सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग, पटना से आए बिहार प्रशासनिक सेवा के वरीय पदाधिकारी सुनील कुमार तिवारी भी मौजूद थे। उन्हें सदर अनुमंडल क्षेत्र में आयोजित होने वाले सहयोग शिविर के लिए नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। बैठक के दौरान अधिकारियों को सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश एवं जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण के आदेश के आलोक में 19 मई से प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पंचायतवार रोस्टर की भी जानकारी साझा की गई। एसडीओ निशांत सिहारा ने बताया कि सदर अनुमंडल क्षेत्र में सहयोग शिविर का शुभारंभ 19 मई 2026 से किया जाएगा। उन्होंने संबंधित सभी विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर प्राप्त होने वाले आवेदनों का समयबद्ध एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निष्पादन कर उन्हें शून्य करना है। इसके लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया, ताकि शिविर को सफल बनाया जा सके।

वज्रपात व आंधी से पीड़ितों के आश्रितों को 24 घंटे में मिली सहायता राशि

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन ने आपदा राहत मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए वज्रपात एवं तेज आंधी से हुई मौतों के पीड़ित परिवारों को 24 घंटे के भीतर अनुग्रह अनुदान राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी कर दी है। जानकारी के अनुसार 4 मई 2026 को सुगौली एवं रामगढ़वा अंचल में वज्रपात तथा मोतिहारी सदर अंचल में तेज आंधी के दौरान पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारियों एवं सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को तत्काल आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सुगौली अंचल में वज्रपात से सनी देओल (पिता- जयलाल सहनी) एवं अंशु कुमारी (पिता- मंजू सहनी) की मौत हो गई थी। जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतकों के आश्रित हिरामतिया देवी एवं तेतरी देवी को बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा निर्धारित चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि चेक के माध्यम से प्रदान कर दी। वहीं मोतिहारी सदर अंचल में तेज आंधी के दौरान एक पेड़ ऑटो पर गिर गया था, जिसमें दबकर धीरज कुमार (पिता- राजदेव सहनी) एवं चुनचुन कुमार (पिता- रामविलास यादव) की मौत हो गई थी। प्रशासन द्वारा इनके आश्रितों को भी 24 घंटे के भीतर अनुग्रह राशि उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है तथा हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी आपदा की स्थिति में राहत राशि का भुगतान त्वरित गति से सुनिश्चित किया जाए। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि खराब मौसम एवं बिजली कड़कने के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें तथा आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। आपात स्थिति में जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के दूरभाष संख्या 06252-242418 एवं मोबाइल नंबर 9199972558 पर संपर्क किया जा सकता है।

सड़क की बदहाली पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, दूल्हे को पैदल तो दुल्हन को गोद में ले जाने की मजबूरी

बीएनएम @ मोतिहारी/घोड़ासहन

मोतिहारी/घोड़ासहन। स्थानीय श्रीपुर उत्तरवाड़ी पंचायत के अनुसूचित जाति टोला वार्ड संख्या-06 में सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा मंगलवार को फूट पड़ा। सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों एवं ग्राम विकास समिति के सदस्यों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व जितेंद्र यादव ने किया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर अत्यधिक कीचड़ और जलजमाव के कारण आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि शादी-विवाह जैसे कार्यक्रमों में भी लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार बारात आने पर दूल्हे को गाड़ी से उतरकर करीब एक किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है, जबकि नई नवेली दुल्हनों को भी गोद में उठाकर अथवा पैदल मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है, तब जाकर वे वाहन में बैठ पाती हैं। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क की खराब स्थिति के कारण एम्बुलेंस तक मोहल्ले में नहीं पहुंच पाती, जिससे मरीजों के इलाज में देरी होती है। वहीं स्कूली बच्चों को भी प्रतिदिन कीचड़ भरे रास्ते से होकर स्कूल जाना पड़ता है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सड़क से कीचड़ हटाकर विरोध जताया और प्रशासन, स्थानीय मुखिया, विधायक एवं सांसद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो आगामी चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे मुखिया ने ग्रामीणों को समझाते हुए अधिकारियों से बात कर शीघ्र सड़क निर्माण शुरू कराने का आश्वासन दिया। ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष उदय जायसवाल ने बताया कि सड़क निर्माण को लेकर पहले भी कई बार धरना-प्रदर्शन किया जा चुका है। मनरेगा योजना के तहत एक वर्ष पूर्व ही एस्टीमेट तैयार हो चुका है, लेकिन अब तक कार्य शुरू करने की अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि जनसमस्या को देखते हुए जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा। प्रदर्शन में चन्जू पासवान, मुन्ना यादव, पप्पू राम, राजू कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

डुमरियाघाट में कार समेत 129.6 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त, एक कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ डुमरियाघाट

डुमरियाघाट। थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 27 पर सरोतर पहल चौक के समीप पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान विनोद राय (उम्र 38 वर्ष), पिता बिलास राय, निवासी नीरपुर पटियारसा, थाना अहियापुर, जिला मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गश्ती के दौरान एक अल्टो कार रजिस्ट्रेशन नंबर BR 06 M 7162 को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में वाहन से 15 कार्टून में रखी 180 एमएल की ऑफिसर चॉइस अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 129.600 लीटर बताई गई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

अनुमंडल स्तरीय समीक्षा बैठक में डीएम ने योजनाओं की प्रगति जांची

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बंजारिया प्रखंड की सिसवा पूर्वी पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन में मंगलवार को जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में मोतिहारी सदर अनुमंडल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बंजारिया, मोतिहारी सदर, तुरकौलिया, कोटवा, सुगौली और पिपराकोठी प्रखंडों के बीडीओ, सीओ, आवास पर्यवेक्षक, मनरेगा पीओ समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली। इस दौरान षष्ठम एवं पंद्रहवीं वित्त आयोग, ग्रामीण आवास योजना, पेयजल, मनरेगा, जन वितरण प्रणाली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के साथ दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। डीएम ने आम लोगों के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यों में पारदर्शिता और तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक के बाद जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, एसडीएम निशांत सिहारा तथा भूमि सुधार उप समाहर्ता प्रीति सिंह ने पंचायत सरकार भवन परिसर के समीप स्थित पार्क, लाइब्रेरी और तालाब का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पंचायत की मुखिया तान्या प्रवीण से सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पंचायत में कराए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अन्य पंचायत प्रतिनिधियों को भी इसी तरह जनहित में कार्य करना चाहिए। ज्ञात हो कि मुखिया तान्या प्रवीण को जल संचय एवं जनकल्याणकारी कार्यों के लिए प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बेहतर भविष्य के साथ शानदार नई पीढ़ी का निर्माण विद्यालय की प्राथमिकताः प्राचार्या

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ शहर के एमकेडी पब्लिक स्कूल प्रबंधन ने बेहतर शिक्षा व्यवस्था लागू करने और छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तैयारी कर ली है। स्कूल परिसर में आयोजित एक प्रेस वार्ता में विद्यालय की निदेशक डॉ. चन्द्रलता झा ने बताया कि नए सत्र के लिए सीबीएसई के मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी विषयों के लिए दक्ष शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है। पीजीटी (कक्षा 11-12) और टीजीटी (कक्षा 1-10) शिक्षक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। साथ ही, विद्यालय प्रबंधन कक्षा 1 से 12 तक की छात्राओं के लिए ट्यूशन फीस में 25 प्रतिशत तथा छात्रों के लिए 10 प्रतिशत तक की छूट दे रहा है। डॉ. झा ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बच्चों के बेहतर करियर निर्माण को लेकर अभिभावकों का विश्वास जीतना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विद्यालय में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है और हॉस्टल में भी उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बच्चों के मानसिक और सांस्कृतिक विकास पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें भारतीय परंपराओं, कला, संस्कृति और खेलकूद से जोड़ा जा रहा है। छात्राओं के लिए विशेष रूप से 4 किलोमीटर तक के क्षेत्र में निःशुल्क परिवहन की सुविधा भी दी जा रही है। कक्षा 11 और 12 में विज्ञान, कला और वाणिज्य इन तीनों संकायों की पढ़ाई सुचारु रूप से शुरू हो चुकी है। इन कक्षाओं में नामांकन के लिए विशेष छूट भी प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. पार्वती प्रमाणिक राय ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाने के लिए वे पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचार्य ने जोर देकर कहा कि एमकेडी पब्लिक स्कूल अपने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के साथ देश के लिए एक सशक्त और संस्कारी नई पीढ़ी तैयार करने के लिए संकल्पित है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध निर्माण की शिकायत पर जांच में जुटी नगर परिषद

बीएनएम @ शेखपुराः नगर परिषद क्षेत्र के जमालपुर मोहल्ले में एक व्यक्ति द्वारा बीच सड़क पर गिट्टी गिराकर आवागमन बाधित करने का मामला सामने आया है। मामला तीन मुहानी मोड़ से जमालपुर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क का है, जहाँ देवले गांव निवासी पप्पू महतो का मकान निर्माण कार्य चल रहा है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण करा रही महिला ने सड़क पर निर्माण सामग्री फैला दी है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी हो रही है। विरोध करने पर महिला ने मोहल्ले वालों के साथ बदसलूकी की। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि इस निर्माण के लिए नगर परिषद से नक्शा पास नहीं कराया गया है। मोहल्ले के एक व्यक्ति ने इसकी लिखित शिकायत नगर परिषद में की है, जिसके बाद प्रशासन मामले की जाँच और कार्रवाई में जुट गया है।

19 मई को कुकरबाघी, पथरिया और रसिया में लगेंगे सहयोग शिविर

बीएनएम @ किशनगंज। किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अहमर अब्दाली की अध्यक्षता में मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक का मुख्य केंद्र 'ज्ञान भारतम मिशन' रहा। बीडीओ ने जनप्रतिनिधियों को बताया कि इस मिशन के तहत 70-75 वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाना है। चाहे वह कागज, ताम्रपत्र या कपड़े पर लिखी किसी भी भाषा की सामग्री हो, उसे ऐप के माध्यम से सुरक्षित किया जाएगा। इसके अलावा, नेपाल सीमा से सटे होने के कारण भारतीय नागरिकों से विवाहित नेपाली महिलाओं की नागरिकता प्राप्ति की प्रक्रिया पर भी विस्तार से जानकारी साझा की गई।प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए बताया गया कि बिहार सरकार के निर्देशानुसार हर माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को 'सहयोग शिविर' लगाए जाएंगे। इसी कड़ी में 19 मई 2026 को कुकरबाघी, पथरिया और रसिया पंचायतों में शिविर आयोजित कर जन समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाएगा। साथ ही, जनप्रतिनिधियों को भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण की प्रारंभिक तैयारियों से भी अवगत कराया गया।

पूर्व विधायक पर जमीन कब्जे का आरोप, गरमाया माहौल

बीएनएम @ बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में जमीन विवाद का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व विधायक राजकुमार सिंह कटघरे में हैं। नगर थाना क्षेत्र के हर-हर महादेव चौक निवासी सुनील कुमार शर्मा के परिवार ने आरोप लगाया है कि पूर्व विधायक उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।पीड़ित पक्ष के अनुसार, उन्होंने अपनी जमीन विधायक को लीज पर दी थी जहाँ पहले से एक शोरूम चल रहा है, लेकिन अब बिना अनुमति के रजिस्ट्री कराकर वर्कशॉप वाली जमीन पर भी निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। विरोध करने पर परिवार को धमकी देने का भी आरोप है। हालांकि, राजकुमार सिंह ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए इसे आपसी विवाद करार दिया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित परिवार ने डीएम, एसपी और एसडीएम से न्याय की गुहार लगाई है। वहीं, प्रभारी अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि जमीन के दस्तावेजों की जांच की जा रही है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रसूखदार व्यक्ति का नाम जुड़ने से पूरे इलाके में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

बीएनएम @ शेखपुराः उत्पाद विभाग की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान हथियामा थाना क्षेत्र के मंदना गांव निवासी कृष्णा कुमार के रूप में हुई है।उत्पाद थानाध्यक्ष अमित आनंद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक बाइक से विदेशी शराब की होम डिलीवरी करने शहर आ रहा है। इसी आधार पर कटरा चौक के पास घेराबंदी कर उसे दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 750ml की 13 बोतल विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब और बाइक को जब्त कर लिया है और कागजी कार्रवाई के बाद आरोपी को जेल भेज दिया है।

दो अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ जमुई/झाझाः थानाक्षेत्र के दो अलग अलग मामले में पुलिस ने मारपीट व हत्या के प्रयास मामले में फरार नामजद दो अभियुक्त को गुप्त सूचना के आधार पर झाझा पुलिस ने गिरफ्तार किया। एसएचओ एलबी सिंह ने बताया कि कांड संख्या 573/25 में धमना गाँव के प्रकाश यादव और कांड संख्या 567/25 में धमना गाँव से मनीष यादव को गिरफ्तार किया गया। मंगलवार को कागजी कार्रवाई के बाद दोनो गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

आरपीएफ ने बड़हरवा स्टेशन पर 10 नाबालिगों को तस्करों से बचाया

बीएनएम @ भागलपुर। पूर्व रेलवे के मालदा मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल ने मानव तस्करी के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हासिल की है। मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में चलाए गए ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत बड़हरवा रेलवे स्टेशन पर कुल 10 नाबालिगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। इस कार्रवाई ने रेलवे की सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया है।पहली घटना में, आरपीएफ ने प्लेटफॉर्म संख्या 01 से चार नाबालिग लड़कों को बरामद किया, जिन्हें दो संदिग्ध व्यक्ति रोजगार का झांसा देकर राज्य के बाहर ले जा रहे थे। त्वरित कार्रवाई करते हुए आरपीएफ ने बच्चों को मुक्त कराया और दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। जांच में सामने आया कि इन बच्चों को मजदूरी का झूठा लालच देकर बहलाया-फुसलाया गया था।एक अन्य कार्रवाई में, स्टेशन परिसर से छह और नाबालिग (चार लड़के और दो लड़कियां) संदिग्ध अवस्था में पाए गए। ये बच्चे अपने परिजनों को बिना बताए श्रमिक कार्य के लिए बाहर जाने की फिराक में थे। आरपीएफ ने सभी 10 बच्चों की काउंसलिंग की और आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें पुनर्वास और बेहतर देखभाल के लिए बाल कल्याण संगठन को सौंप दिया। आरपीएफ की इस मुस्तैदी से कई मासूमों का भविष्य अंधकार में जाने से बच गया।

एक सप्ताह से सड़क पर गिरा है बरगद का पेड़, आवागमन बाधित

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। तुरकौलिया प्रखंड अंतर्गत जयसिंहपुर खिरवा बाजार के समीप मुख्य सड़क पर पिछले एक सप्ताह से बरगद का विशाल पेड़ गिरा हुआ है। इसके कारण महानवा–गायघाट मुख्यपथ पर आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शीघ्र सड़क खाली कराने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार 29 अप्रैल को आई तेज आंधी के दौरान विशाल बरगद का पेड़ सड़क पर गिर गया था। घटना के बाद से अब तक प्रशासन द्वारा पेड़ हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। स्थिति यह है कि चारपहिया वाहन एवं बाइक सवारों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। केवल पैदल और साइकिल से आने-जाने वाले लोग ही किसी तरह कीचड़ भरे रास्ते से गुजर पा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सड़क क्षेत्र की महत्वपूर्ण संपर्क सड़क है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। सड़क बाधित होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राहगीर विवेक सहनी ने बताया कि वह अपने घर से गायघाट जाने के लिए निकले थे, लेकिन खिरवा बाजार के आगे सड़क पर पेड़ गिरा मिला। उन्होंने बाइक से निकलने का प्रयास किया, लेकिन कीचड़ में गिर पड़े। मजबूरन उन्हें करीब पांच किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय कर दूसरे रास्ते से जाना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि दोनों इस समस्या को लेकर उदासीन बने हुए हैं। लोगों ने शीघ्र पेड़ हटाकर आवागमन बहाल करने की मांग की है।

आधार के नाम पर अवैध वसूली की तो खैर नहीं: डीएम

आधार केंद्रों की मनमानी पर रोक और स्कूलों में नई सुविधा का ऐलान

बीएनएम @ शेखपुरा

शेखपुराः समाहरणालय स्थित मंथन सभागार में जिला पदाधिकारी शेखर आनंद की अध्यक्षता में आधार कार्ड निर्माण और उसमें सुधार (अपडेशन) कार्यों की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले में आधार कार्ड की वर्तमान स्थिति और लंबित पड़े आवेदनों पर बिंदुवार चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि शिक्षा विभाग और आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़े कई बच्चों का आधार कार्ड अब तक नहीं बन पाया है। डीएम ने संबंधित अधिकारियों और सीएससी संचालकों को निर्देश दिया कि वे बिना किसी देरी के ऐसे बच्चों की पहचान कर उनका आधार पंजीकरण सुनिश्चित करें।छात्रों की सुविधा के लिए एक बड़ा निर्णय लेते हुए जिला पदाधिकारी ने जिले के हाई स्कूलों में सीएससी केंद्र स्थापित करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में केंद्र खुलने से विद्यार्थियों को आधार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और शत-प्रतिशत पंजीकरण का लक्ष्य समय पर पूरा हो सकेगा। बैठक में डीएम ने कड़ा रुख अपनाते हुए सीएससी संचालकों को चेतावनी दी कि यदि आम जनता को परेशान करने या अवैध वसूली की कोई भी शिकायत मिली, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि आधार आज के समय में सरकारी योजनाओं और नागरिक सेवाओं के लिए अनिवार्य दस्तावेज है, इसलिए इसके कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का टास्क सौंपा। इस बैठक में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी और सीएससी के जिला प्रबंधक सहित कई प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

सीतामढ़ी : आंधी में बाइक पर गिरा बिजली का पोल, दो मासूमों के सिर से उठा मां का साया

बिजली का पोल गिरने से दो महिलाओं की मौके पर मौत, एक युवक गंभीर

» उजड़ गया एक हंसता-खेलता परिवार

शादी की तैयारियों के बीच पसरा मातम, गांव में कोहराम

बीएनएम @सीतामढ़ी

सीतामढ़ीः सीतामढ़ी जिले में सोमवार की शाम आई विनाशकारी आंधी ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को गहरे मातम में बदल दिया। सीतामढ़ी-पुपरी स्टेट हाईवे पर पकड़ी चौक के समीप बुनियादी विद्यालय के पास एक हृदयविदारक हादसा हुआ, जहाँ तेज हवाओं के कारण बिजली का पोल अचानक उखड़कर एक चलती बाइक पर जा गिरा। इस भीषण दुर्घटना में बाइक पर सवार ननद और भाभी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।मृतकों की पहचान बाजपट्टी थाना क्षेत्र के कचहरीपुर इस्लामपुर टोला निवासी रकीबा खातून और निखत परवीन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शहनबाज उर्फ मोहम्मद समद अपनी पत्नी और बहन के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि परिवार में जल्द ही शादी होने वाली थी और घर में उत्सव का माहौल था। शादी की तैयारियों के सिलसिले में ही पूरा परिवार उत्साहित था, लेकिन प्रकृति के प्रकोप ने पल भर में सब कुछ उजाड़ दिया।हादसे के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से लहूलुहान शहनबाज को तुरंत सीतामढ़ी सदर अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ वह जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पहलू यह है कि मृतका रकीबा खातून अपने पीछे ढाई साल के बेटे सैफ अली और महज एक साल की दूधमुंही मासूम बच्ची को छोड़ गई हैं। अपनी मां के साये से हमेशा के लिए दूर हुए इन मासूम बच्चों की चित्कार ने हर किसी की आंखों में आंसू ला दिए हैं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। इस दुखद समाचार के बाद पूरे कचहरीपुर इस्लामपुर टोला गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। शादी की शहनाइयों वाले घर से अब केवल चीख-पुकार सुनाई दे रही है, और स्थानीय लोग इस आकस्मिक क्षति से गहरे सदमे में हैं।

जाति-पाति से ऊपर उठकर एक सूत्र में बंधे समाजः रविशंकर

बीएनएम @ बगहा

» बगहा में आरएसएस की सामाजिक सद्भाव बैठक

बगहाः बगहा नगर के शांति विवाह भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नगर इकाई द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न गतिविधियों की एक कड़ी था, जिसका मुख्य केंद्र 'सामाजिक सद्भाव' रहा। इस अवसर पर उत्तर बिहार के प्रांत प्रचारक रविशंकर जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में समाज के सभी वर्गों और समुदायों को एक सूत्र में पिरोने पर बल देते हुए कहा कि संघ में सभी जातियों के लोग भाईचारे और अपनत्व की भावना के साथ कार्य करते हैं।रविशंकर जी ने 'पंच परिवर्तन' के संकल्प को दोहराते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों को जड़ से मिटाने का आह्वान किया। बैठक में नगर के विभिन्न समुदायों के सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों और स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान सतीश कुमार, समरेंद्र किशोर, दिनेश अग्रवाल, प्रवीण कुमार और उमेश अग्रवाल सहित कई प्रमुख व्यक्तित्व उपस्थित रहे। इस आयोजन का मूल उद्देश्य समाज के हर तबके के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करना था। अंततः, बैठक ने सामाजिक समरसता और एकजुटता का एक सशक्त संदेश प्रसारित किया।

पंचायत चुनाव के आंकड़ों में सुधार के लिए 18 मई तक करें आवेदन

» 5 जून को आएगी फाइनल लिस्ट

प्रपत्र-1 जारी होते ही संभावित उम्मीदवारों की बढ़ी धड़कनें

बीएनएम @ पटना

पटना। बिहार में पंचायत चुनाव 2026 की आहट के साथ ही ग्रामीण इलाकों में राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया के प्रथम चरण में प्रपत्र-1 जारी कर निर्वाचन क्षेत्रों की आबादी का प्रारूप सार्वजनिक कर दिया है। यह डेटा वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर तैयार किया गया है। प्रपत्र जारी होते ही संभावित उम्मीदवारों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है और गांवों की चौपालों पर चुनावी समीकरणों की चर्चा तेज हो गई है।आयोग ने स्पष्ट किया है कि इसी आबादी के आंकड़ों के आधार पर ही सीटों का आरक्षण तय किया जाएगा। आरक्षण की स्थिति स्पष्ट होने की संभावना ने कई दिग्गजों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि पुराने समीकरण बदलने से नए चेहरों के लिए रास्ते खुल सकते हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने 'दावा और आपत्ति' का प्रावधान भी रखा है। यदि किसी को आंकड़ों में त्रुटि लगती है, तो वे 18 मई 2026 तक अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं, जिनका निपटारा 22 मई तक किया जाएगा। चुनाव क्षेत्रों की अंतिम सूची का प्रकाशन 5 जून 2026 को होगा। निर्वाचन आयोग इस बार चुनाव को अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और ईवीएम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने की तैयारी में है। मतदाताओं की सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर भी जारी किया गया है। उधर, मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति और जिला परिषद जैसे पदों के लिए दावेदारों ने अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। जनसंपर्क से लेकर सोशल मीडिया तक, उम्मीदवार अभी से ही अपनी पैठ मजबूत करने में जुट गए हैं। आयोग के इस कदम ने साफ कर दिया है कि बिहार में लोकतंत्र के सबसे निचले स्तर का चुनावी उत्सव अब बेहद करीब है।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल में फिर गिरी टाइल्स, यात्रियों में हड़कंप

» 1200 करोड़ के टर्मिनल की गुणवत्ता पर उठे सवाल
» प्रशासन ने निर्माण कंपनी से मांगा जवाब

बीएनएम @ पटना

पटना। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मंगलवार को एयरपोर्ट के अराइवल एरिया में अचानक दीवार से टाइल्स गिर गईं, जिससे वहां मौजूद यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले 15 दिनों के भीतर यह दूसरी ऐसी घटना है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जिस समय टाइल्स गिरीं, उससे कुछ ही सेकंड पहले वहां से दो यात्री गुजरे थे। गनीमत रही कि कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई, लेकिन भारी टाइल्स के टूटकर बिखरने से यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिह्न लग गया है। इससे पहले 21 अप्रैल को भी इसी तरह की घटना सामने आई थी। महज 1200 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से बने इस टर्मिनल में बार-बार हो रहे ऐसे हादसे निर्माण कार्य और इस्तेमाल की गई सामग्री की गुणवत्ता पर संदेह पैदा कर रहे हैं। गौरतलब है कि इस भव्य टर्मिनल का उद्घाटन पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था।घटना के बाद एयरपोर्ट निदेशक सीपी द्विवेदी ने कड़ा रुख अपनाते हुए निर्माण कंपनी NCC से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि जांच रिपोर्ट संतोषजनक न होने पर कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में दिसंबर तक टर्मिनल के रखरखाव की जिम्मेदारी भी इसी कंपनी के पास है। फिलहाल सुरक्षा के मद्देनजर प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है और टाइल्स को बदलने के निर्देश दिए गए हैं। यह घटना आधुनिक बुनियादी ढांचे के दावों और उनकी जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करती है।

14 मई को समाप्त हो रहा है कार्यकाल, नियमों के पालन पर उठे सवाल

बीएनएम @ सीतामढ़ी। जिला बार एसोसिएशन, सीतामढ़ी की वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 14 मई 2026 को समाप्त होने जा रहा है, जिससे एसोसिएशन के गलियारों में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। 'यूनिफॉर्म रूल्स फॉर एसोसिएशन ऑफ बिहार' की धारा 19(1) के अनुसार, पदाधिकारियों का चुनाव समय पर संपन्न कराना अनिवार्य है। नियमानुसार, महासचिव को फरवरी माह में ही वार्षिक आमसभा बुलाकर चुनाव की रूपरेखा तैयार कर लेनी चाहिए थी, ताकि कार्यकाल खत्म होने से पूर्व नई कार्यकारिणी का चयन हो सके।हालांकि, वर्तमान स्थिति को लेकर अधिवक्ताओं में असंतोष व्याप्त है। सत्र 2024–26 के दौरान अब तक न तो वार्षिक आमसभा आयोजित की गई है और न ही ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है। यहां तक कि ऑडिटर की नियुक्ति न होना भी कार्यकारिणी की कार्यशैली और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। अधिवक्ताओं का तर्क है कि ऑडिट और आमसभा में देरी संस्था की लोकतांत्रिक परंपराओं और जवाबदेही को कमजोर कर रही है।एसोसिएशन के सदस्यों ने मांग की है कि नियमों का पालन करते हुए अविलंब आमसभा बुलाई जाए और पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया शुरू की जाए। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या कार्यकारिणी 14 मई की समयसीमा से पहले इन संवैधानिक दायित्वों को पूरा कर पाती है या सीतामढ़ी बार एसोसिएशन में चुनावी गतिरोध की स्थिति उत्पन्न होगी।

कल गांधी मैदान में शपथ लेंगे 27 नए मंत्री

मोदी-शाह की मौजूदगी में सामूहिक शपथ ग्रहण संभव

बीएनएम @ पटना

पटना। बिहार की सियासत के लिए 7 मई का दिन बेहद निर्णायक होने वाला है। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सम्राट चौधरी सरकार का बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार प्रस्तावित है। सरकार गठन के 22 दिन बाद होने जा रहे इस भव्य आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस कार्यक्रम की विशिष्टता यह है कि इसमें केवल मंत्रियों का सामूहिक शपथ ग्रहण होगा, जो राज्य की राजनीति में एक नई मिसाल पेश करेगा।इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित भाजपा एवं एनडीए नेतृत्व के तमाम दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है। वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।सूत्रों के अनुसार, इस विस्तार में करीब 27 नए चेहरों को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। इनमें भाजपा से 12 और जदयू से 11 मंत्रियों के शपथ लेने की चर्चा है। साथ ही, सहयोगी दलों—लोजपा (रामविलास), 'हम' और आरएलएम—को भी उचित प्रतिनिधित्व देकर जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश की जाएगी। यह विस्तार पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के कारण टल गया था, लेकिन अब बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों के बीच इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि इस फेरबदल के जरिए सरकार न केवल नए चेहरों को मौका देगी, बल्कि कुछ मौजूदा मंत्रियों के विभागों में बदलाव कर शासन को और प्रभावी बनाने का प्रयास करेगी।

5 देशरत्न मार्ग का बंगला अब 1 अणे मार्ग परिसर का होगा हिस्सा

बीएनएम @ पटना

पटनाः बिहार की राजधानी पटना के सबसे हाई-प्रोफाइल इलाके में स्थित मुख्यमंत्री आवास, 1 अणे मार्ग का दायरा अब और अधिक विस्तृत होने जा रहा है। राज्य सरकार के नए निर्णय के अनुसार, मुख्यमंत्री आवास से सटे 5 देशरत्न मार्ग स्थित बंगले को अब सीएम आवास परिसर में ही समाहित किया जाएगा। इस कदम का मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक चाक-चौबंद करना तथा प्रशासनिक कार्यों के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराना है।अब तक 5 देशरत्न मार्ग का यह बंगला पारंपरिक रूप से बिहार के उपमुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के रूप में उपयोग किया जाता रहा है। चूंकि यह बंगला सीधे मुख्यमंत्री आवास की सीमा से लगा हुआ है, इसलिए सुरक्षा एजेंसियों के लिए इस पूरे क्षेत्र को एक एकीकृत परिसर के रूप में सुरक्षित करना आसान होगा।इस विस्तार के बाद मुख्यमंत्री आवास परिसर का आकार काफी बढ़ जाएगा, जिससे बड़े प्रशासनिक आयोजनों और वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान बेहतर निगरानी संभव होगी। हालांकि, इस फैसले के बाद अब उपमुख्यमंत्री के लिए नए आधिकारिक आवास का चयन जल्द ही किया जाएगा। यह बदलाव न केवल सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि शासन की भविष्य की प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए भी एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मजदूरों के असंतोष

नोएडा में कारखाना मजदूर सड़क पर उतरे। वहां की घटनाओं ने उन हालात की ओर ध्यान खींचा, जिससे हाल में देश के विभिन्न हिस्सों में मजदूर आंदोलित हुए हैं। मजदूरों के असंतोष पर सहानुभूति से ध्यान दिया जाना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर नोएडा में मजदूरों का उबलता असंतोष सोमवार को सड़कों पर छलक गया। हिंसा, आगजनी और पुलिस कार्रवाई ने वहां उन हालात की ओर ध्यान खींचा, जिस कारण हाल में देश के विभिन्न हिस्सों में मजदूर आंदोलित हुए हैं। वैसे, तो इन आंदोलनों के स्थल देश भर में फैले हुए हैं, लेकिन खास चर्चा हरियाणा में हुई आंदोलनकारी गतिविधियों की हुई। आखिरकार उनका असर हुआ, और हरियाणा सरकार ने आठ अप्रैल को सभी श्रेणियों के कर्मियों की न्यूनतम मजदूरी में 35 प्रतिशत बढ़ोतरी का एलान किया। इस निर्णय का असर नोएडा में देखा गया। कुछ ही दूरी पर एक जैसे काम के लिए अलग-अलग मजदूरी की बात उन्हें चुभी और वे भी आंदोलन पर उतर आए। वैसे भी एक विश्लेषण के मुताबिक 2016 से अब तक दिल्ली और हरियाणा की तुलना में उत्तर प्रदेश न्यूनतम मजदूरी काफी कम बढ़ी है। दिल्ली में ये वृद्धि लगभग 90 फीसदी और हरियाणा में 89 प्रतिशत रही, जबकि उत्तर प्रदेश में इसमें महज 42.6 फीसदी का इजाफा हुआ है। यानी गुजरे एक दशक में हुई मुद्रास्फीति के अनुपात में यूपी में मजदूरी नहीं बढ़ी है। ऐसे में मजदूरों के असंतोष को समझा जा सकता है। इस बीच श्रम कानूनों की जगह श्रम संहिताएं लागू होने और आठ घंटे काम की सीमा हटाए जाने की वजह से मजदूर पहले मिली वैधानिक सुरक्षाओं से वंचित हो गए हैं। उनकी पीड़ा को एक मजदूर की एक टीवी चैनल पर कही गई इस बात से समझा जा सकता है कि रोजाना 12 घंटे काम करने के बाद उन्हें महीने में 13 हजार रुपये मिलते हैं! अब उत्तर प्रदेश सरकार ने कारखाना मालिकों और मजदूरों के बीच संवाद कायम करने के लिए एक समिति बनाई है। मगर साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे नक्सलवाद को पुनर्जीवित करने की साजिश का शक भी जता दिया है। ऐसे में यह नहीं लगता कि मजदूर सरकार से किसी हमदर्दी की आशा कर सकते हैं। मगर ऐसे नजरियों से उस वक्त औद्योगिक शांति कायम करना कठिन होगा, जब श्रमिक वर्ग पर बढ़ते आर्थिक संकट की गहरी मार पड़ी है।

बंगाल की प्रचंड जीत समूचे देश में भगवा क्रांति का आगाज!

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब 880 साल बाद बंगाल में भगवा लहराया है आजादी से पहले और आजादी के बाद भी जिस तरह के जख्म बंगाल की छाती पर दिए गए 2026 का विधानसभा चुनाव परिणाम घुसपैठ हिंसा महिला असुरक्षा अराजकता और दबंगई के बीच मुसलिम तुष्टिकरण से पैदा बंगाली अस्मिता पर खतरे और डैमोग्राफी परिवर्तन के खिलाफ आमजन का प्रतिवाद है एक अंगड़ाई है जो सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं है अपने अस्तित्व स्वरूप और संस्कृति को बचाने की मुहिम है । भाजपा ने राजनीतिक रणनीति के तहत लम्बे अर्से से बंगाल में पनपे हिन्दू दमन और मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति के परिप्रेक्ष्य में ऐसी व्यूह रचना की जिसको तोड़ने में ममता बनर्जी नाकाम हो गईं।

वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों के नतीजोंने भारतीय राजनीति के फलकपर एक ऐसी इबारत लिख दी है, जिसकी गूंज दशकों तक सुनाई देगी। इन परिणामों ने न केवल सत्ता के समीकरण बदले हैं, बल्कि क्षेत्रीय क्षत्रपों के अजेय होने के मिथक को भी धराशायी कर दिया है। पांच राज्यों के ये रुझान स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि जनता अब केवल विरासत या भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि जवाबदेही और नए विकल्पों पर मुहर लगा रही है। पश्चिम बंगाल इस चुनाव की सबसे बड़ी सुर्खी रहा है। ममता बनर्जी के 15 साल पुराने अजेय दुर्ग का ढहना भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर और भ्रष्टाचार व महिला सुरक्षा व सम्मान कानून-व्यवस्था जैसे बुनियादी मुद्दों ने तृणमूल कांग्रेस के आधार को हिला कर रख दिया। संदेशखाली और आरजीकर रेप मर्डर जैसी घटनाओं ने जिस आक्रोश को जन्म दिया, उसने ममता राज के पतन की बुनियाद गढ़ दी अंततः भाजपा को जबरदस्त सीटों के साथ सत्ता के शीर्ष तक पहुंचा दिया। बंगाल का यह बदलाव बताता है कि मतदाता अब तुष्टीकरण और हिंसा की राजनीति से इतर विकास और सुशासन की नई राह तलाश रहा है। इसी तरह तमिलनाडु ने पूरे देश को चौंकाया है। दशकों से द्रमुक बनाम अन्नाद्रमुक के बीच झूलती द्रविड़ राजनीति को अभिनेता विजय की पार्टी (टीवीके) ने पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। 110 सीटों के करीब पहुंचकर विजय ने साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता पुराने राजनीतिक घरानों से ऊब चुकी है और एक नए विजन वाले नेतृत्व की तलाश में है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का तीसरे नंबर पर खिसकना द्रविड़ राजनीति के एक बड़े अध्याय के ढलने का संकेत है। स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर जिस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी की उनसे पूरे देश का बड़ा जनमानस आहत हुआ अब स्वयं तमिलनाडु ने स्टालिन और उनकी पार्टी को किनारे पहुंचा दिया है।

असम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला। भाजपा नीत एनडीए की प्रचंड बढ़त यह प्रमाणित करती है कि कड़क प्रशासन और विकास का असम मॉडल जनता को रास आ रहा है। वहीं पुडुचेरी में एन. रंगासामी और भाजपा की जुगलबंदी ने स्थिरता को प्राथमिकता देने वाले मतदाताओं का दिल जीत लिया है। केरल में सत्ता हर पांच साल में बदलती रही है लेकिन पिनाराई विजयन दस साल शासन में रहे। लेकिन अब वामपंथी मोर्चे की विदाई हो गई है और कांग्रेस नीत यूडीएफ की 95 से अधिक सीटों पर बढ़त यह दिखाता है कि केरल का मतदाता एंटी-इंकंबेंसी को लेकर बेहद सजग है। कांग्रेस के लिए यह जीत संजीवनी की तरह है, जो उसे राष्ट्रीय स्तर पर फिर से खड़ा होने का हौसला देगी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दोहरा झटका लगा है. एक तरफ बीजेपी ने बंगाल में प्रचंड जीत हासिल की है. दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के शुभेंदु अधिकारी ने ममता को भवानीपुर सीट से हरा दिया है. इस जीत के बाद शुभेंदु ने ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा. शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट से ममता को 15,114 वोटों से हरा दिया. शुभेंदु ने लगातार दूसरी बार ममता को हराया है. इससे पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने नंदीग्राम सीट से उन्हें हराया था.

आपको बता दें अंग यानी बिहार और कलिंग यानी ओडिशा का मोर्चा तो बीजेपी ने पहले ही फतह कर लिया था. अब बंगाल में चुनावी जीत के साथ ही अंग, बंग और कलिंग पर काबिज होने का भारतीय जनता पार्टी का सपना पूरा हो गया है.

करीब दस साल की कोशिश के बाद पहली बार बंगाल में बीजेपी की जीत की आखिर क्या वजह रही? राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इसमें एसआईआर के दौरान भारी तादाद में कटे नामों की अहम भूमिका रही. इसके अलावा धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण, बीजेपी के आक्रामक प्रचार, आर.जी. कर कांड के बहाने महिला सुरक्षा के सवाल, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने भी बदलाव की राह तैयार की.

पं बंगाल के विधानसभा चुनाव में मुकाबला बदला बनाम बदलाव था. बीजेपी ने जहां बदलाव का नारा देते हुए अपने पारंपरिक जय श्री राम की जगह जय मां काली के नारे को अपनाया था, वहीं ममता बनर्जी ने लोगों से केंद्र, बीजेपी और चुनाव आयोग के कथित सौतेले रवैए के खिलाफ बदला लेने के लिए वोट डालने की अपील की थी.

पश्चिम बंगाल में इस बार विधानसभा चुनाव में कई चीजें पहली बार हुई थीं और इसका नतीजा भी पहली बार बीजेपी की जीत के तौर पर सामने आया है. बीते पच्चीस वर्षों में पहली बार कोई चुनाव दो चरणों में कराया गया है. इससे पहले छह से आठ चरणों में मतदान कराया जाता रहा है. इसके अलावा भारी तादाद में तैनात केंद्रीय बल, और एसआईआर के दौरान कटे करीब 91 लाख नामों में राजनीतिक दलों के समीकरण गड़बड़ा दिए हैं. बंगाल में बीते कई दशकों में पहली बार चुनावी हिंसा न के बराबर हुई है. इससे पहले, यहां पर चुनाव से पहले और बाद में भारी हिंसा होती रही है.

इस बार राज्य में पहली बार रिकार्डतोड़ वोट पड़े थे. उसके बाद से ही सत्ता के दावेदार अपने-अपने तरीके से इसकी व्याख्या करने में जुटे थे. इस बार चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण यानी एसआईआर सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा है. यह कहना ज्यादा सही होगा कि एसआईआर के मुद्दे ने अबकी तमाम पारंपरिक मुद्दों को पीछे छोड़ दिया. चुनावी नतीजों से साफ है कि बीजेपी को ममता बनर्जी के मुस्लिम और महिला वोट बैंक में भी सेंध लगाई है. पार्टी को धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने में कामयाबी मिली. इसी के कारण हिंदू तबके के वोटरों ने एकजुट होकर बीजेपी के पक्ष में मतदान किया.

दरअसल इस चुनौतीपूर्ण बदलाव को लाने के लिए भाजपा ने साम दाम दंड भेद सबका इस्तेमाल किया। आपको बता दें पश्चिम बंगाल में जनवरी 2026 में प्रवर्तन निदेशालय ने आई-पैक के कोलकाता (सॉल्ट लेक) स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कार्यवाही के दौरान खुद मौके पर पहुंच गई थीं और उन्होंने इसे टीएमसी की चुनावी रणनीतियों से जुड़े दस्तावेज और डेटा ले जाने की कोशिश बताया था। आई-पैक , जो टीएमसी की राजनीतिक रणनीति तैयार करती है। ईडी कोयला घोटाला और हवाला मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आई-पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन और अन्य के ठिकानों पर तलाशी ले रही थी। सीएम ने छापे को राजनीतिक प्रतिशोध और चुनाव से पहले टीएमसी का डेटा चुराने का प्रयास बताया। दरअसल इडी की इस कार्रवाई ने ममता बनर्जी और टीएमसी की चूलें हिलाने का काम किया यही से ममता राज के खात्मे की पटकथा को जमीन मिली एसआइआर के जरिए फर्जी वोटर हटाए गए ममता तिलमिलाती रहीं लेकिन भारत की राजनीति के मौजूदा चाणक्य अमित शाह ने बंगाल के वोटर पर दशकों से हावी हिंसा और भय के माहौल में सुरक्षा और खास कर चुनाव बाद भी केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती बनाए रखने का भरोसा देकर दशको से भयभीत वोटर को स्वतंत्र निर्भय मतदान करने का हौसला दिया और इस सबसे बंगाल में कमल खिलाने का सपना साकार हो गया। अब गंगोत्री से गंगासागर तक भगवा विस्तार हो चुका है यह आने वाले समय में समूचे देश में भगवा क्रांति का आगाज है इन चुनावों के परिणाम 2027 के यूपी चुनाव का भी आधार बनेगा। बस अब जरूरत इस बात की है कि भगवा सरकारें आमजन के उत्थान और रोजगार के लिए दिनरात एक कर विश्वास की कसौटी पर परिणाम दें।

(लेखक वरिष्ठ राष्ट्रवादी चिंतक पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

बंगाल की सियासतः शून्य से शिखर तक भाजपा का सफर

राज कुमार सिन्हा

पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक ज्योति बसु और बुद्धदेव भट्टाचार्य के नेतृत्व में वाम मोर्चा का शासन रहा, जो 1977 से 2011तक रहा। लगभग 34 वर्षों तक चले वाम मोर्चा शासन ने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया।इस दौरान भाजपा का प्रभाव लगभग नगण्य था। 2011 में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस(टीएमसी) ने सत्ता हासिल की और वामपंथी शासन का अंत हुआ।इन पंद्रह वर्षों में टीएमसी ने वाम दलों को लगभग खत्म कर दिया। इससे "एंटी- टीएमसी वोट" के लिए भाजपा एकमात्र विकल्प बन गई। यानी भाजपा का उभार राजनैतिक शून्यता भरने से जुड़ा हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार शुरू किया। पश्चिम बंगाल में भी भाजपा ने अपनी संगठनात्मक ताकत बढ़ाई। 2014 में भाजपा को सीमित सफलता मिली थी। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर बड़ा उछाल दिखाया और 2021 में 77 सीटें जीतकर अपना इरादा दिखा दिया था। भाजपा का वोट शेयर भी तेजी से बढ़ा। टीएमसी से कई नेता भाजपा में शामिल हुए और भाजपा ने बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया। भाजपा ने टीएमसीपर "मुस्लिम तुष्टीकरण" का आरोप लगाया। इससे हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण हुआ जिससे भाजपा के लिए यह एक राजनीतिक अवसर बना। 2021 में भाजपा ने जोरदार अभियान चलाया, लेकिन टीएमसी ने भारी जीत दर्ज की थी। जिसका मुख्य कारण था कि ममता बनर्जी की व्यक्तिगत छवि मजबूत रही और उन्हें "बंगाल की बेटी" के रूप में पेश किया गया था। भाजपा को "बाहरी पार्टी" के रूप में प्रस्तुत किया गया था। जिसके कारण"बंगाल बनाम बाहरी" नैरेटिव प्रभावी रहा। कन्याश्री, रूपश्री, स्वास्थ साथी जैसी योजनाओं के कारणमहिलाओं का बड़ा समर्थन टीएमसी को मिला था। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा और टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर रही, लेकिन टीएमसी ने अपनी पकड़ बनाए रखी।यह सवाल अक्सर उठता है कि क्या ममता बनर्जी की नीतियों ने भाजपा को पश्चिम बंगाल में जगह बनाने का अवसर दिया? ममता बनर्जी का भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर काम करने का एक लंबा और महत्वपूर्ण इतिहास रहा

है। कांग्रेस से अलग होने के बाद, ममता बनर्जी ने 1 जनवरी 1998 को टीएमसी का गठन किया। उसी वर्ष, उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन किया ताकि पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बनाया जा सके।1999 के लोकसभा चुनावों के बाद, टीएमसी भी एनडीए का हिस्सा बनी और ममता बनर्जी को केंद्र सरकार में रेल मंत्री बनाया गया। वे इस पद पर 2001 तक रहीं। 2001 में तहलका रक्षा सौदे के खुलासे के बाद, उन्होंने एनडीए से नाता तोड़ लिया और इस्तीफा दे दिया। हालांकि, 2003 में वे फिर से NDA में शामिल हो गईं और 2004 के लोकसभा चुनाव तक वाजपेयी सरकार में कोयला और खान मंत्रालय संभाला।2004 के लोकसभा चुनाव और 2006 के बंगाल विधानसभा चुनाव में भी टीएमसी और भाजपा ने गठबंधन में मिलकर चुनाव लड़ा था।2006 में विधानसभा चुनावों में हार के बाद, ममता बनर्जी ने धीरे-धीरे भाजपा से दूरी बना ली और बाद में कांग्रेस के साथ गठबंधन करके 2011 में बंगाल में सत्ता हासिल की, जिसके बाद उनके और भाजपा के रास्ते अलग हो गए।इस दौर में, ममता बनर्जी को भाजपा के साथ सहयोग करने से बंगाल में खुद को एक बड़ी नेता के रूप में स्थापित करने में मदद मिली। बंगाल की चुनावी राजनीति में लंबे समय से हिंसा और भय का तत्व भी एक निर्णायक कारक रहा है। इस बार भारत का निर्वाचन आयोग ने क़रीब ढाई लाख केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की अभूतपूर्व तैनाती कर मतदान प्रक्रिया को अपेक्षाकृत अधिक नियंत्रित और स्वतंत्र बनाने की कोशिश किया। नतीजा यह हुआ कि कथित "स्थानीय प्रभाव" और भय का वह ढांचा, जो पहले कई क्षेत्रों में निर्णायक माना जाता था, काफी हद तक निष्प्रभावी रहा और असली जनमत अधिक स्पष्ट रूप में सामने आया। इस चुनाव ने धारना बदल दिया कि सिर्फ पहचान की राजनीति, बंगाली अस्मिता या सड़क पर आक्रामक विरोध ही सत्ता बनाए रखने के लिए काफी नहीं है।अगर जनता को रोजगार, सुरक्षा और पारदर्शी शासन नहीं मिलता, तो वह सरकार बदल देगी। भाजपा ने करीब 8 फिसदी वोटों की बढ़ोतरी की, जबकि टीएमसी का वोट शेयर करीब 7 फिसदी गिरा। जिससे भाजपा 200 से ज्यादा सीटों पर प्रचंड जीत दर्ज कर पश्चिम बंगाल पर काबिज हो गई। यह भी सच्चाई है कि करीब सत्ताइस लाख मतदाता इस वजह से इस चुनाव में मतदान नहीं कर सके कि चुनाव आयोग और फ़िर सुप्रीम कोर्ट मतदान के पहले उनके मतदान के अधिकारी होने के मामले का फैसला नहीं कर सका।विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा का उभार किसी एक नेता या दल के कारण नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक समीकरणों, संगठनात्मक प्रयासों और सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों का परिणाम है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज भी परिवर्तनशील है, जहां हर चुनाव नए समीकरण और नई चुनौतियां लेकर आता है। ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राज्य की राजनीति में संघर्ष अभी जारी है और आने वाले समय में इसके कई नए आयाम देखने को मिलेंगे।

(बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जायेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज किसी प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई जबरदस्त और सृजनात्मक होंगे। छात्र आज अपना अधिकतर समय सोशल मीडिया में व्यतीत करेंगे, जिससे पढ़ाई में कम मन लगेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अधिकारियों का दिल जीतने में कामयाब भी होंगे। महिलाए अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बना कर खिला सकती है। दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए योग की रूटीन अपनाएं, फायदा मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। राजनीति से जुडे लोगों के लिए दिन अच्छा है। समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज के दिन आप अपनी उर्जा को सही काम में लगाएं। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें किसी संस्था से जुड़कर नाम कमाने का मौका मिलेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको कुछ नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वे आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे। आज आर्थिक मामलों में माता-पिता का सहयोग मिलता रहेगा। आपका बचपन का मित्र आपके घर दावत पर आ सकता है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली आर्थिक परेशानियों से भी बच जायेंगे। आज अपने काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो दिन शुभ है आप कर सकते हैं आपको काम में सफलता मिलने के अच्छे योग बनते दिख रहे हैं ।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। आज परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।आज आप मित्रों के साथ कोई निवेश संबंधी योजना बनाएंगे, जिसमें आपको बहुत ही सोच विचार कर आगे बढ़ना होगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी। आमोद-प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा। अर्थराईटिस की परेशानी से जुड़े लोगों को आज राहत मिलेगी। आज परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकता है। इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में ना करें।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज आपको बडों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा। आज आपकी शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, आपको ख़ुशी होगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शुभफलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को नई गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को किसी टॉपिक को समझने में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन आपके परिवार में खुशियाँ लाने वाला रहेगा। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए अच्छे मौके मिलेंगे। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए।

मौन की गूँजः जब विचार ठहर जाएँ

सुनील कुमार महला

आज सुबह-सुबह एक विचार पढ़ा- उपवास करना है तो विचारों का करे, भूखे रहने से भगवान खुश होते तो गरीब सबसे सुखी होते। वास्तव में व्यक्ति के जीवन में विचारों का बहुत महत्व है। पाठक जानते हैं कि विचार हमारे मन में उत्पन्न होने वाले वे मानसिक भाव, धारणाएँ या सोच हैं जो किसी भी विषय, परिस्थिति या अनुभव के बारे में हमारी प्रतिक्रिया को दर्शाते हैं। सरल शब्दों में, जो कुछ हम सोचते हैं- वही विचार कहलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि सकारात्मक विचार हमें आगे बढ़ने, समस्याओं का समाधान ढूंढने और जीवन में उत्साह बनाए रखने में मदद करते हैं। वहीं दूसरी ओर नकारात्मक विचार हमें तनाव, भय और निराशा की ओर ले जा सकते हैं। वास्तव में, विचारों का उपवास एक अत्यंत गहरा और मनोवैज्ञानिक विषय है। जैसे शरीर की शुद्धि के लिए हम अन्न का त्याग करते हैं, वैसे ही मन की शांति और मानसिक स्पष्टता के लिए विचारों का उपवास अनिवार्य है। हर व्यक्ति के मन-मस्तिष्क में हर समय विचारों का आवागमन होता रहता है।एक विचार आता है, फिर दूसरा,तीसरा और यही क्रम अनवरत चलता रहता है। यहां तक कि व्यक्ति आराम कर रहा होता है, विश्राम कर रहा होता है,या यूं कहें कि नींद की अवस्था में होता है,तब भी विचारों का क्रम चलता ही रहता है,यह कभी थमता नहीं है। विचारों का उपवास मन में शांति लाता है। वास्तव में जब हम नकारात्मक विचारों का उपवास करते हैं, तो भीतर शून्यता और शांति आती है, जो ईश्वर से जुड़ने का सच्चा मार्ग है। व्यक्ति आत्मनियंत्रित होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि विचारों के उपवास से न केवल व्यक्ति को मानसिक शांति ही मिलती है, बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी बहुत मदद करता है।जब हम विचारों का उपवास करते हैं तो गलत व नकारात्मक सोच, नकारात्मक ऊर्जा, चिंता,डर और असफलताओं से दूर हो पाते हैं। विचारों के उपवास से सीधा सा मतलब यह है कि हम अपने मन को नकारात्मक, फालतू

और हानिकारक विचारों से मुक्त करें। जब हम विचारों का उपवास करते हैं तो हम ध्यानमग्न हो जाते हैं। हमारा तनाव और अवसाद कम होता है और ईश्वरीय मार्ग की ओर स्वयं को प्रशस्त करते हैं। हमारा आत्मनियंत्रण बढ़ता है। वास्तव में मनुष्य के व्यक्तित्व, व्यवहार और निर्णयों पर विचारों का गहरा प्रभाव पड़ता है। जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हमारा आचरण और जीवन बनता जाता है। इसलिए कहा जाता है-विचारों को बदलो, जीवन बदल जाएगा। हालांकि, विचारों को रोकना संभव नहीं है। विचार हमेशा मस्तिष्क में विचरण करते रहते हैं। मन-मस्तिष्क का स्वभाव ही हर पल सोचना है। लेकिन विचारों का उपवास किया जा सकता है।अब यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर हम विचारों का उपवास करें तो कैसे करें ? इसके लिए यह आवश्यक है कि हम ध्यान(मेडिटेशन) करें। अपने लिए थोड़ा समय निकालें और कुछ मिनट तक एक शांत स्थान पर शांति से बैठकर अपनी सांसों पर ध्यान दें। आज का युग संचार क्रांति का युग है और हम हर समय एंड्रॉयड स्मार्टफोन, लैपटॉप, इंटरनेट,एआइ में व्यस्त रहते हैं। हमारे पास स्वयं के लिए ही समय नहीं बचा है। विचारों के उपवास के लिए मोबाइल, लैपटॉप जैसे गैजेट्स से दूरी बनाना बहुत आवश्यक है। या यूं कहें कि आज के समय में डिजिटल दूरी विचारों के उपवास के लिए आवश्यक तत्व है। हमें यह चाहिए कि हम लगातार मोबाइल/ न्यूज़/ से हम ब्रेक लें।वर्तमान समय में हम सूचनाओं के विस्फोट के बीच जी रहे हैं। हर समय कुछ न कुछ सोचना, विश्लेषण करना या चिंता करना मस्तिष्क को थका देता है। विचारों का उपवास हमें इस ध्वनि प्रदूषण से बाहर निकालकर मौन की शक्ति से परिचित कराता है। डिजिटल डिटाक्स बहुत ही महत्वपूर्ण व जरूरी है। हमें यह चाहिए कि हम दिन भर में कम से कम एक घंटा फोन, लैपटॉप और टीवी से पूरी तरह दूर रहें। बाहरी सूचनाओं का रुकना ही विचारों के रुकने की पहली सीढ़ी है।यदि विचार बहुत परेशान कर रहे हों, तो उन्हें कागज पर लिख दें। इससे मन का बोझ हल्का होता है और मस्तिष्क को लगता है कि उसने अपना काम पूरा कर लिया है।हमारा चयन सकारात्मक चयन होना चाहिए। मसलन, हमें क्या पढ़ना है, क्या देखना, है और क्या सुनना है-यह हम सोच-समझकर चुनें।हम स्वयं का स्व-निरीक्षण करें और अपने विचारों को देखें, लेकिन उनमें उलझें नहीं।याद रखिए कि जब हम विचारों को केवल आता-जाता देखते हैं और उनमें उलझते नहीं, तो मन शांत होने लगता है। जब हमारा दिमाग/ मस्तिष्क अनावश्यक विचारों से खाली होता है, तब क्रिएटिव स्पेस बनता है। स्पष्ट दिमाग बेहतर निर्णय ले पाता है क्योंकि वह पूर्वाग्रहों और पुरानी धारणाओं के बोझ से मुक्त होता है। वैज्ञानिक रूप से भी यदि हम देखें तो हमारा मस्तिष्क शरीर की कुल ऊर्जा का एक बड़ा हिस्सा उपभोग करता है। अनावश्यक चिंता और नकारात्मक विचार मानसिक ऊर्जा को व्यर्थ करते हैं। विचारों का उपवास इस ऊर्जा को बचाकर उसे सकारात्मक कार्यों या आत्म-चिंतन की ओर मोड़ देता है।बहरहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि विचारों का उपवास मन को खाली करने का प्रयास नहीं है, बल्कि उसे सही दिशा देने की एक सजग प्रक्रिया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हार्दिक के बाहर होते ही रोहित की मुम्बई इंडियंस में वापसी से उठे सवाल, टीम में सबकुछ ठीक नहीं होने की अटकलें तेज हुईं

एजेंसी, मुम्बई

मुंबई इंडियंस में लगता है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्रेसिंग रूम में जारी टकराव का प्रभाव मैदान पर भी नजर आने लगा है। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मैच में एक बार फिर ये देखने में आया है। इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या के अचानक बाहर होने के बाद पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की मैच में वापसी पर भी सवाल उठे हैं।

सोमवारर रात हुए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया हालांकि इस मैच में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर रही कि पिछले कुछ समय से लगातार चोटिल रहे रोहित अचानक ही अंतिम ग्यारह में शामिल हो गए, जबकि नियमित कप्तान पंड्या मैच से बाहर थे। रोहित ने इस मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में ही छह चौके और सात छक्कों की सहायता से 84 रन बनाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर और क्रिकेट जानकारों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि रोहित फिटनेस को लेकर जानबूझकर अंतिम ग्यारह से बाहर थे और जैसे ही पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया, रोहित खेलने के तैयार हो गए। ये भी कहा जा रहा है रोहित, हार्दिक की कप्तानी में खेलने को लेकर सहज नहीं हैं। इसी लिए उन्होंने सूर्यकुमार की कप्तानी में वापसी की। इससे मुंबई इंडियंस में जारी मतभेद सामने आ गये हैं। कहा जा रहा है कि हार्दिक को कप्तानी से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं। इसी कारण टीम हार्दिक की कप्तानी में लगातार असफल रही है और प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायी है। पिछले सत्र में भी यही हुआ था।

हालांकि पंड्या के अचानक मैच से बाहर होने के पीछे पीठ में अकड़न बताई गई है। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन के बयान से ये अंदाजा होता है। रेयान ने कहा,कि उन्हें मैच के दिन ही दोपहर में हार्दिक की चोट का पता चला था। साथ ही कहा कि ये कितनी गंभीर है ये उन्हें जानकारी नहीं थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हार्दिक अगले मैच में टीम के साथ होंगे। इससे पहले, कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय हार्दिक के चोटिल होने की पुष्टि की थी। सवाल यह है कि क्या यह चोट इतनी गंभीर थी कि हार्दिक को बाहर बैठना पड़ा, या इसके पीछे कोई और रणनीति काम कर रही थी, जिसने रोहित की वापसी का रास्ता साफ किया? अब देखना है कि मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन कैसे इस आंतरिक संघर्ष को समाप्त करता है।

चहल को केवल एक ओवर दिये पर हैरान हुए कैफ, पंजाब की रणनीति पर उठाये सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने स्पिनर युजवेंद्र चहल को कम गेंदबाजी दिये जाने की पंजाब किंग्स की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। । कैफ के अनुसार पंजाब को चहल की क्षमताओं पर भरोसा बनाये रखना चाहिये। कैफ के अनुसार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जिस प्रकार से चहल को कम गेंदबाजी मिली उससे मुझे हैरानी हुई है। इस मैच में पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद से ही पंजाब की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। इसी को लेकर कैफ ने कहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक होने के बाद भी चहल को केवल एक ही

ओवर दिये जाने पर उन्हें हैरानी हुई है जबकि वह अपनी कलात्मक लेग-स्पिन और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। कैफ के अनुसार चहल ने आईपीएल में कुल 228 विकेट लिए हैं और उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल है।इसमें से उन्होंने काफी विकेट चिन्नास्वामी स्टेडियम जैसी सपाट पिचों पर लिए थे जहां गेंदबाजों को काफी कम सहायता मिलती है। हालांकि, कैफ ने पिच की स्थितियों को भी ध्यान में रखा और स्वीकार किया कि शायद पिच पर घास मौजूद होने के कारण टीम की रणनीति प्रभावित हुई हो। इसके बावजूद, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चहल जैसे असाधारण क्षमताओं वाले गेंदबाज में कठिन हालातों के अनुसार ढ़लने और विकेट लेने की क्षमताएं हैं। साथ ही कहा कि पंजाब को उन पर और ज्यादा भरोसा करने की जरूरत है।

जैमिमा को टी20 विश्वकप में नंदानी के बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा

एजेंसी, मुम्बई

आगामी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल उभरती हुई खिलाड़ी नंदानी शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप 12 जुलाई से इंग्लैंड में खेला जाएगा। इसी को लेकर भारतीय टीम अभी तैयारियों में लगी है। टीम की आक्रामक बल्लेबाज जैमिमा रोड्रिग्स को उम्मीद है कि नंदानी बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। जैमिमा के अनुसार हाल के दिनो में नंदानी ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा खेला है जिसे अब अब बरकरार रखने पर ध्यान देंगी।

जेमिमा ने नंदानी की क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा है कि वह शीघ्र ही टीम के अनुरुप ढ़ल जाएंगी। नंदानी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जैमिमा की कप्तानी में खेला था। लीग में नंदानी ने अपनी प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। नंदानी ने अपन पहले ही डब्ल्यूपीएल लीग में हैट्रिक लगायी थी। उन्होंने पूरे सत्र में सबसे अधिक 17 विकेट लिए थे। ये प्रतियोगिता में किसी खिलाड़ी के सबसे अधिक विकेट रहे है। इसी अच्छे प्रदर्शन और अमनजोत कौर व काशवी गौतम जैसे खिलाड़ियों के बाहर होने से नंदानी को टीम को जगह मिली है। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने नंदानी का स्वागत करते हुए उनके घरेलू क्रिकेट और डब्लयूपीए में प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित है।

सुपर जायंट्स-मुम्बई इंडियंस मैच के बाद अंकतालिका में नहीं आया बदलाव

एजेंसी, मुम्बई

मुंबई इंडियंस की टीम ने यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में जीत दर्ज की है पर इसके बाद भी अंकतालिका में उसका स्थान नहीं बदला और वह नौवें स्थान पर ही बनी हुई है। मुंबई के इस सत्र में मिली इस तीसरी जीत ने 10 मैचों में 6 अंक हो गये हैं और वह , अंक तालिका में नौवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, लखनऊ की टीम नौ मैचों में केवल 4 अंकों के साथ ही तालिका में दसवें स्थान पर कायम है। अंक तालिका में पंजाब किंग्स की टीम ने 9 मैचों में 6 जीत और एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाने से मैच से 13 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 9 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैदराबाद, राजस्थान और गुजरात की टीमें हैं, जिन्होंने 10-10 मैच खेलकर 6-6 जीत से 12-12 अंक हासिल किए हैं। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर सनराइजर्स अंक तालिका में इनमें सबसे ऊपर है। सातवें नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स है, जबकि आठवें स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है।

बुमराह पर भड़के गावस्कर बोले, नो बाल स्वीकार नहीं कर सकते

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे सुनील गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर का कहना है कि जिस प्रकार से बुमराह ने इस सत्र में 8 नो बाल की है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बुमराह ने 3 नो बाल तो लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ ही की थीं। गावस्कर के अनुसार वाइड बाल को एक बार गलती माना जा सकता है पर नो बाल नहीं। बुमराह आईपीएल 2026 में अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं. उनको विकेट

लेने में काफी संघर्ष करना पड़ा है। इसी कारण मुम्बई टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बुमराह ने हिम्मत सिंह को कैच आउट कराया पर गेंद नो बाल हो गयी। इसके बाद हिम्मत ने 40 रन बनाए और लखनऊ का स्कोर 220 के ऊपर पहुंचा दिया। गावस्कर ने बुमराह की आलोचना करते हुए कहा कि टी20 क्रिकेट में पेशेवर खिलाड़ियों का नो बाल फेंकना बिल्कुल भी स्वीकार् नहीं किया जा सकता है। गावस्कर ने कहा, "मुझे फिर मत सिखाये। मुझे मत बताइए कि बुमराह ने नो-बॉल फेंकी है। यह स्वीकार्य नहीं है। आप एक पेशेवर क्रिकेटर हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। वाइड गेंद समझ में आती है पर नो-बॉल नहीं।" गौरतलब है कि लखनऊ के खिलाफ भी बुमराह एक भी विकेट नहीं ले पाये और अपने ओवरों में उन्होंने 45 रन दे दिये। आईपीएल 2026 में बुमराह ने 10 मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ रिकोड स्टूडियोज का आईपीओ, 12 मई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

ब्यूटी एंड पर्सनल केयर सेगमेंट के लिए काम करने वाली कंपनी रिकोड स्टूडियोज का 44.59 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में सात मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद आठ मई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 मई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 150 रुपये से लेकर 158 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। रिकोड स्टूडियोज के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,52,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के

तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,22,400 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 23,58,400 नए शेयर और 3,19,200 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा 1,44,800 नए शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.36 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.22 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.13 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए सेरेन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मुद्रा आरटीए वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, असनानी स्टॉक ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। रिकोड स्टूडियोज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 69 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 27 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 3.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 9.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 22.44 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 36.93 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 47.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 57.45 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 3.79 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.85 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 7.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष में कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त हो गई। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 5.19 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.46 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 8.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 9.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

कंपनी के नेटवर्थ की बात करें तो इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 5.20 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.47 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 8.77 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला बागमाने प्राइम ऑफिस का आईपीओ, 7 मई तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

प्राइम ऑफिस स्पेस मार्केटिंग के काम में लगी कंपनी बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी का 3,405 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 7 मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 मई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 मई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 15 मई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ के तहत कुल 34.05 करोड़ शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 23.90 करोड़ नए शेयर और 10.15 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 25

प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 809.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 897.10 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 829.02 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,237.33 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2,390.88 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 1,959.79 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। एसेट की बात करें, तो इस अवधि में कंपनी के एसेट में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6,816.04 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 7,238.48 करोड़ रुपये हो गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी का एसेट 7,624.82 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में अंबा ऑटो की कमजोर शुरुआत, घाटे में कंपनी के आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी अंबा ऑटो सेल्स एंड सर्विसेज लिमिटेडट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोरी के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.37 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 134.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने कारण ये शेयर थोड़ी देर में ही गिर कर 127.80 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। हालांकि

बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 132.35 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 1.96 प्रतिशत के नुकसान में थे। अंबा ऑटो का 65.12 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.47 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.70 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 48.24 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

पीएनबी का चौथी तिमाही का मुनाफा 14.4 फीसदी बढ़कर 5,225 करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2025-26 की (जनवरी-मार्च) चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में पीएनबी का मुनाफा सालाना आधार पर 14.4 फीसदी बढ़कर 5,225 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में बैंक का मुनाफा 4,567 करोड़ रुपये रहा था। पीएनबी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 36,319 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 36,705 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय 31,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 32,157 करोड़ रुपये हो गई। बैंक ने बताया कि संपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर पीएनबी की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सकल अग्रिमों की 2.95 फीसदी रहीं, जो मार्च 2025 के अंत में 3.95 फीसदी थीं। बैंक का शुद्ध एनपीए भी 0.4 फीसदी से घटकर 0.29 फीसदी हो गए। इसके अलावा बैंक के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर तीन रुपये के लाभांश की भी सिफारिश की है, जो बैंक की आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

सर्राफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज के शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,610 रुपये से लेकर 1,51,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,140 रुपये से लेकर 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज भी शुरुआती कारोबार के दौरान

2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एकता कपूर के 8 ऐसे आइकॉनिक महिला किरदार, जो आज भी दर्शकों के दिलों पर करते हैं राज

इंडियन टेलीविजन की 'क्वीन' एकता कपूर तीन दशकों से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है. बालाजी टेलीफिल्म्स के जरिए उन्होंने एक से बढ़कर एक टीवी सीरियल्स बनाए है, जो हर हफ्ते आने वाली टीआरपी चार्ट में दर्शकों की पसंद बनी रहती है. शुरुआत से लेकर अब तक उन्होंने कई ऐसे किरदार दिए है, जो आज भी फैंस के दिलों में बसे हुए है. क्योंकि सास भी कभी बहू थी की 'तुलसी' हो या पवित्र रिश्ता की 'अर्चना', ये सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि भावनाएं है. इसी बीच आइए एकता कपूर के ऐसे ही महिला किरदारों पर एक नजर डालते हैं. तुलसी विरानी (क्योंकि सास भी कभी बहू थी) – स्मृति ईरानी का ये किरदार एक राष्ट्रीय पहचान बन चुका है. विरानी परिवार की आदर्श बहू के रूप में स्मृति का किरदार भारतीय परंपरा और संयुक्त परिवार की नई दिशा दिखाती है. इस किरदार ने दर्शकों के दिलों में इतनी गहरी छाप छोड़ी कि जब मिहिर का निधन हुआ, तो पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई, जिसके कारण मेकर्स को उन्हें वापस लाना पड़ा. पार्वती अग्रवाल (कहानी घर-घर की) – तुलसी के बाद

साक्षी तंवर उर्फ पार्वती अग्रवाल का किरदार एक सहनशील, शांत और शक्ति की मिसाल थी. उन्होंने परिवार के अंदर के रिश्तों और राजनीति को बहुत संवेदनशील तरीके से दिखाया. एक आदर्श बहू के साथ साथ वो अन्याय के खिलाफ खड़ी होने वाली महिला भी थी, जो लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी. प्रेरणा शर्मा (कसौटी जिंदगी की) – श्वेता तिवारी का किरदार प्रेरणा शर्मा एक अधूरी और संघर्ष से भरी प्रेम कहानी का चेहरा थी. तुलसी और पार्वती के पारिवारिक किरदारों से अलग, प्रेरणा की कहानी उनके और अनुराग बसु के बीच के प्रेम पर बनाई गई थी. जिंदगी में आए दुख और समाज के दबावों के बीच उनके मजबूत किरदार ने लोगों को बहुत प्रभावित किया. कोमोलिका (कसौटी जिंदगी की) – प्रेरणा की कहानी को पूरा करने में कोमोलिका ने भी अहम भूमिका निभाई है. कोमोलिका बनी उर्वशी ढोलकिया ने टीवी की 'वैंप' की नई परिभाषा बनी. उनका खास बैकग्राउंड म्यूजिक, स्टाइलिश बिंदी और अंदाज उन्हें यादगार बनाता हैं. वो एक ऐसी विलेन थीं जिन्हें लोग नफरत के साथ-साथ पसंद भी करते थे. अर्चना देशमुख (पवित्र रिश्ता) – अंकिता लोखंडे बनी अर्चना ने मिडिल क्लास फैमिली की सच्चाइयों को खूबसूरती से दिखाया. सिंपल साड़ी और परिवार के लिए समर्पण के साथ उनका किरदार दर्शकों को अपने जैसा लगने लगा. मानव का किरदार निभाने वाले दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत के साथ उनकी जोड़ी आज भी टीवी की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है.

बॉलीवुड अभिनेत्री शबाना आजमी ने शेयर की खास तस्वीर, दिखाई वीमेन पावर

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री शबाना आजमी ने एक बेहद ही प्यारी और मजेदार तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने वहां मौजूद प्रभावशाली महिलाओं के बीच हुई दिलचस्प बातचीत का जिक्र किया। इंस्टाग्राम पर शबाना द्वारा साझा की गई इस तस्वीर में रिश्तों और दोस्ती की एक सुंदर बॉन्डिंग देखने को मिली। तस्वीर में जहां अभिनेत्री दीया मिर्जा अपने नन्हे बेटे अव्यान के साथ बड़े प्यार से बातचीत करती नजर आ रही हैं, तो वहीं उनके ठीक पीछे शबाना आजमी अपनी दोस्त, मशहूर फैशन डिजाइनर अनीता डोंगरे के साथ किसी गहरी और दिलचस्प चर्चा में डूबी हुई हैं। यह पल कैमरे में बेहद खूबसूरती से कैद हुआ है। शबाना आजमी ने इस तस्वीर के बारे में बताते हुए लिखा कि यह केवल एक साधारण मुलाकात नहीं थी, बल्कि एक ऐसी मीट-अप थी, जहाँ पर अलग-अलग क्षेत्रों की लगभग 30 प्रभावशाली महिलाओं ने शिरकत की। अभिनेत्री ने इस मुलाकात को बेहद प्यारी दोपहर करार दिया। उन्होंने लिखा, यह एक बहुत ही प्यारी दोपहर थी, जहां करीब 30 प्रभावशाली महिलाएं एक साथ आईं। स्वादिष्ट खाने के साथ सभी ने मिलकर जोश भरी और दिलचस्प बातचीत का आनंद लिया। यह पोस्ट इस बात का प्रमाण है कि शबाना आजमी न केवल सिनेमा में सक्रिय हैं, बल्कि सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी मजबूत रिश्ते बनाए रखती हैं। शबाना आजमी की इस पोस्ट को उनके प्रशंसकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। विशेष रूप से दीया मिर्जा और उनके बेटे अव्यान की मौजूदगी ने इस फोटो में चार चांद लगा दिए हैं। फैंस कमेंट्स में इस वीमेन पावर वाली मीटिंग की सराहना कर रहे हैं और ऐसी सकारात्मक मुलाकातों को समाज के लिए महत्वपूर्ण बता रहे हैं। शबाना आजमी और दीया मिर्जा के बीच एक गहरा और सम्मानजनक रिश्ता है, जो उनके पेशेवर जीवन और व्यक्तिगत दोस्ती के बीच एक सुंदर संतुलन बनाए रखता है। वे अक्सर सामाजिक मुलाकातों और विशेष कार्यक्रमों में एक-दूसरे के साथ दिखती हैं, जहाँ उनके बीच एक प्यारा और मजबूत बॉन्ड नजर आता है। इन दोनों अभिनेत्रियों ने 2003 में आई फिल्म तहजीब में साथ काम किया था। खालिद मोहम्मद द्वारा निर्देशित तहजीब एक हिंदी इमोशनल ड्रामा फिल्म है, जिसमें शबाना आजमी, उर्मिला मातोंडकर, अर्जुन रामपाल और दीया मिर्जा मुख्य भूमिका में थे। फिल्म की कहानी तहजीब (उर्मिला मातोंडकर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मां रुखसाना (शबाना आजमी) को अपने पिता की मौत का जिम्मेदार मानती है।

मेरी मां बेहतरीन अदाकारों में से एक : पलक तिवारी

अपनी आगामी वेब सीरीज लुक्खे के जरिए अभिनेत्री पलक तिवारी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस सीरीज में पलक ने सनोबर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है, जो म्यूजिक और हाई-स्टेक्स वाली दुनिया में अपनी कमजोरियों, प्यार और अंदरूनी संघर्षों से लड़ती नजर आएगी। यह सीरीज चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें रैप कल्चर, स्ट्रीट राइवलरी और बदले की एक रोमांचक कहानी को दर्शाया गया है। पलक अपने किरदार को बेहद दिलचस्प बताती हैं और उनका कहना है कि सनोबर काफी भावनात्मक और एक्सप्रेसिव है, जो दर्शकों को उससे जोड़ पाएगी। पलक तिवारी को अभिनय विरासत में मिला है, उनकी मां श्वेता तिवारी टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी और सम्मानित अदाकारा हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से लाखों दिलों पर राज किया है। दिग्गज अभिनेत्री की बेटी होने के नाते, पलक पर हमेशा उम्मीदों का दबाव रहता है, लेकिन वह इसे सकारात्मक रूप से देखती हैं। इस बारे में पलक का कहना है, बेशक, मेरी मां के शानदार अभिनय की वजह से थोड़ा प्रेशर होता है, लेकिन मेरी नजर में वह सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं और उनकी विरासत मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है। सीरीज में सनोबर के किरदार को अभिनेत्री पलक तिवारी अपनी मां के मशहूर किरदार प्रेरणा (कसौटी जिंदगी की) के लिए एक ट्रिब्यूट मानती हैं। पलक ने बताया कि प्रेरणा की तरह सनोबर भी बहुत इमोशनल है और अपने दिल की बात खुलकर कहती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सनोबर ही असल मायने में प्रेरणा की बेटी की तरह है, क्योंकि वह भी भावनाओं को छिपाती नहीं और हमेशा अपने दिल की सुनती है। पलक ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान उनकी मां श्वेता तिवारी ने उन्हें कुछ बेहद खास एक्टिंग टिप्स दिए थे, जो उनके लिए बहुत मूल्यवान साबित हुए। पलक ने बताया कि उनकी मां हमेशा कहती हैं, अगर तुम दर्शकों को रुला सकीं, तो समझो तुम एक सफल एक्टर हो। यह इस बात का प्रमाण है कि तुमने अपने किरदार से भावनात्मक जुड़ाव बना लिया है। इसके अलावा, मां ने मुझे एक और बड़ी सीख दी कि हर सीन को जीतने की कोशिश मत करो। पलक ने बताया कि उनकी मां का मानना है कि हर सीन का अपना एक हीरो होता है। कभी आपको चमकना चाहिए और कभी अपने साथी कलाकार को मौका देना चाहिए, क्योंकि अभिनय एक टीम वर्क है। उन्होंने कहा, इसी टीम वर्क से एक सीन और पूरी सीरीज कामयाब होती है। यह सलाह मुझे हमेशा याद रहती है और मैं इसे अपने अभिनय में उतारने की कोशिश करती हूं।

थलापति विजय ही नहीं, साउथ के ये 5 सुपरस्टार्स भी बन चुके सीएम एक तो हैं डिप्टी चीफ मिनिस्टर

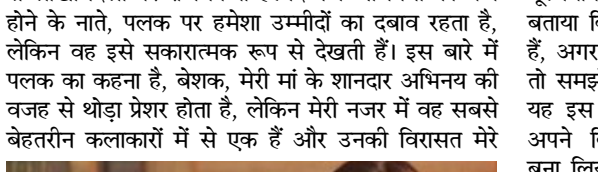

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बाद थलापति विजय के नाम को लेकर चर्चा जोरों पर है कि वह तमिलनाडु के अलगे मुख्यमंत्री हो सकते हैं. उनकी पार्टी टीवीके ने 234 में 108 सीटों पर जीत हासिल की, जिसके बाद थलापति को हर तरफ से बधाई मिल रही है. सोशल मीडिया पर फैंस और सेलेब्स उन्हें खूब बधाइयां दे रहे हैं. लेकिन वह कोई पहले अभिनेता नहीं हैं, जो सीएम की कुर्सी पर काबिज होने जा रहे हैं. इसके पहले भी कई स्टार्स रहे हैं. देखिए लिस्ट...

साउथ फिल्म के दिग्गज अभिनेता रहे एमजी रामचंद्रन उर्फ एमजीआर 1977 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थे. 1980 में 4 महीने के अंतरिम कार्यकाल को छोड़कर, 1987 तक अपने आखिरी समय तक वह सीएम पद पर रहे. वो केवल एक्टर ही नहीं बल्कि फिल्म निर्माता और सफल राजनीतिज्ञ रहे. जनता के बीच उनकी पॉपुलैरिटी इतनी जबरदस्त थी कि उन्हें 'मक्कल थिलागम' की उपाधि से नवाजा गया था. इसका मतलब जनता का राजा होता है. एनटी रामाराव भी साउथ के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक रही हैं. वह राजनीति में भी काफी एक्टिव रहे थे. उन्होंने साल 1982 में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की स्थापना की थी. दिवंगत अभिनेता ने 1983 से 1995 तक आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में तीन उतार-चढ़ाव भरे कार्यकाल संभाले थे. जयललिता की पॉपुलैरिटी तो कमाल की रही है. उन्होंने बतौर एक्ट्रेस और राजनीतिज्ञ लोगों के बीच काफी पॉपुलैरिटी हासिल की थी. लोग उन्हें अम्मा कहकर बुलाते थे. वो लोगों के लिए मसीहा से कम नहीं थीं. तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता ने 1961 से 1980 तक फिल्मों में अपनी छाप छोड़ने के बाद राजनीति में कदम रखा था. 1991 में वह तमिलनाडु की सबसे युवा मुख्यमंत्री बनकर उबरी थीं. जयललिता ने 1991 से 2016 के बीच 14 वर्षों से अधिक समय तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया. वह AIADMK की नेता थीं. एमजी रामचंद्रन की पत्नी जानकी रामचंद्रन ने भी राजनीति में एंट्री की थी. वह कुछ हफ्तों के लिए साल 1988 में मुख्यमंत्री बनी थी. वह भी साउथ की जानी-मानी अभिनेत्री रहीं. उन्होंने अपने करियर में करीब 25 फिल्मों में अभिनय किया. एम करुणानिधि इंडस्ट्री के जाने-माने स्क्रीन राइटर रहे हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर स्क्रीन राइटर ही की थी. उन्होंने करीब 20 सालों तक चीफ मिनिस्टर के तौर पर काम किया. 1969 से 2011 के बीच वह 5 बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे थे.

मनीषा रानीः मुझे अभी पता चला है कि जो फ्रिज मैंने 2 लाख में खरीदी है इसमें फ्रीजर ही नहीं

बिहार की क्वीन मनीषा 'बिग बॉस ओटीटी' के बाद से हर दिल की चहेती बनी हुई हैं। उन्हें लोगों का भरपूर प्यार भी मिल रहा है और जमकर काम भी कर रही हैं। मनीषा ने अपने दम पर बिहार से निकलकर मुंबई की ग्लैमरस दुनिया में अपने लिए सपना देखा, जिसे वो अपने दम पर बुन रही हैं। मनीषा रानी ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो जिम करती हुईं और अपने सपनों के घर को बनाने में जीतोड़ मेहनत करती दिख रही हैं। मनीषा रानी ने 28 साल की उम्र में अपना घर खरीदा। मनीषा ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो जिम में जिम में पसीना बहाती दिख रही हैं। इसके अलावा वो घर के रेनोवेशन में व्यस्त दिख रही हैं। वहीं अपने दो लाख में खरीदी गई फ्रिज की दिक्कतें भी बता रही हैं। मनीषा इस वीडियो में बता रही हैं, 'आज मेरा लेग डे है और जब भी मैं जिम जाती हूं तो हर सेट के बाद खुद को मिरर में देखती हूं कि मेरे मसल्स आए हैं या नहीं आए।' वहीं घर बनाने में आ रही दिक्कतों के बारे में भी बताती दिख रही हैं। वहीं मनीषा ने कहा है, 'मुझे अभी-अभी पता चला है कि ये जो फ्रिज मैंने 2 लाख में खरीदी है, इसमें फ्रीजर ही नहीं है। अब मुझे इसको भी अलग से खरीदना पड़ेगा।' वहीं वो ये भी बता रही हैं कि अपनी भाषा को सही करने के लिए आजकल वो रोज हिंदी बुक पढ़ रही हैं। मनीषा ने अपने हालिया व्लॉग में कहा है, 'घर बनाना आसान नहीं है।' उन्होंने बताया है कि घर को बनाने में उन्हों करोड़ों खर्च किए हैं। वो कह रही हैं, 'अब ये बिहार की लड़की महाराष्ट्र में है लेकिन फील तो होनी ही चाहिए।' मनीषा के इस पोस्ट पर लोगों का प्यार खूब जमकर बरस रहा है। लोग उनकी इस मेहनत को काफी सपोर्ट करते दिख रहे हैं। यहां ये भी बता दें कि रियलिटी शो 'द 50' में नजर आईं मनीषा के लिए उनके को-कंटेस्टेंट सिद्धार्थ भारद्वाज ने अपने रोमांटिक अट्रैक्शन का इजहार किया था। सिद्धार्थ कन्नन के साथ अपने हालिया इंटरव्यू में सिद्धार्थ ने मनीषा के बारे में अपने मन की बातें खुलकर शेयर की और कहा कि अगर उनके बीच रोमांटिक रिश्ता बनता है तो वे उनसे शादी करेंगे।

'Goons entered, beat me up':

Mamata Banerjee's explosive phone call post on Facebook

Kolkata, Agency: TMC chief Mamata Banerjee has sparked a major political storm by alleging that her defeat in the high-stakes Bhabanipur Assembly seat was the result of a "stolen mandate" and an "unethical dirty game."

In a telephonic conversation shared by Trinamool Congress MP and senior Supreme Court advocate Kalyan Banerjee, the Mamata levelled serious charges about the conduct of counting, claiming the process was compromised in the final rounds. "Those remaining rounds were in Bhabanipur, which was totally our area. At that moment, a few goons entered the counting centre... they beat me up and threw my agents away with the help of CRPF," Banerjee alleged in the conversation, adding that she was not even allowed inside the counting hall at a crucial stage. The Bhabanipur contest turned into a nail-biting thriller, with dramatic swings through all 20 rounds of counting. Banerjee began with an early lead of around 2,000 votes and consolidated her position by the seventh round, when her margin surged to over 17,000 votes, triggering celebrations among TMC supporters.

However, the momentum began to shift gradually. Her lead narrowed to just over 4,000 votes by the 14th round. In a dramatic twist, with only a few rounds remaining, BJP candidate Suvendu Adhikari overtook her, eventually winning the seat by 15,105 votes.

Illegal connections, pump misuse trigger water crisis in Gittikhadan

Nagpur, Agency: A dangerous mix of illegal water connections, rampant use of pressure pumps and leaking sewage chambers has pushed large parts of Gittikhadan into a full-blown water crisis, with residents receiving foul, contaminated supply for over a week amid collapsing pressure.

Localities including Telangkhedi, Manavta Nagar, Panchsheel Nagar, Azad Nagar and Gondtoli are among worst-hit. Residents say taps are running with "gutter-like" water, while supply pressure is so poor that even basic storage has become a struggle.

Congress corporator Abhijeet Jha, who inspected the area, admitted that a faulty linkage between a newly laid water line and an existing sewer line led to contamination. "There has been a coordination failure. The sewer line got connected to the water line, allowing dirty water to enter the system. We are rectifying it and expect improvement in two to three days," he said.

However, officials concede the crisis is rooted in deeper systemic failures. The NMC's public health engineering department has flagged rampant illegal tapping as a key reason behind both contamination and pressure loss. Unauthorised connections have weakened pipelines, creating leak points where sewage seeps into drinking water lines, especially in stretches running parallel to damaged sewer chambers.

Orange City Water Limited (OCWL) deputy director Praveen Sharan said the situation has worsened due to unchecked use of illegal suction or "tullu" pumps. "Because of lack of police protection and public cooperation, the use of pressure pumps has increased significantly. These pumps disturb the pressure balance across the network, and combined with illegal tapping, they are severely affecting supply," he said.

Jaishankar in Jamaica, hails shared history

New Delhi, Agency: External Affairs Minister S Jaishankar on Monday underscored the enduring cultural and historical ties between India and Jamaica, describing the relationship as "a story written in runs, written in respect, written in friendship". The remark came as Jaishankar joined Jamaican Prime Minister Andrew Holness to formally dedicate an electronic scoreboard at Sabina Park, a gift from India symbolising the shared passion for cricket that binds the two nations.

"May this scoreboard count many great innings to come - among them that of India-Jamaica friendship," Jaishankar said, invoking the sporting metaphor to highlight the broader partnership. The Jamaica leg is part of Jaishankar's official visit to the Caribbean region from May 2 to 10, covering Jamaica, Suriname and Trinidad and Tobago. The Ministry of External Affairs said the visit aims to further deepen India's engagement with the Caribbean where countries share long-standing links with India through the Girmitiya legacy.

Envoy Doraiswami begins China stint

New Delhi, Agency: India's newly appointed Ambassador to China Vikram Doraiswami on Monday commenced his diplomatic assignment by paying floral tributes to Mahatma Gandhi at the Jintai Art Museum in Chaoyang Park, Beijing. He was accompanied by the museum's curator, Yuan Xikun, during the visit.; The Ambassador also paid homage to Gurudev Rabindranath Tagore at the Indian Embassy, marking a symbolic start to his tenure in China. Doraiswami's appointment comes at a significant time in India-China relations, with both sides engaged in cautious efforts to stabilise ties following years of strain. A 1992-batch Indian Foreign Service officer, Doraiswami previously served as India's High Commissioner to the United Kingdom.

Issues raised in Aadhaar PIL need legislative intervention, says SC

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Monday refused to entertain a PIL seeking directions to the Unique Identification Authority of India (UIDAI) to restrict issuance of Aadhaar cards only to children up to the age of six years and to put in place stringent guidelines for its issuance to adolescents and adults.

Noting that most of the issues raised in the PIL required changes in the legal framework governing the issuance of Aadhaar, a Bench of Chief Justice of India Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi ordered it to be sent to the government to consider it as a representation. "As may be seen from the nature of reliefs (sought), most of these require legislative intervention and appropriate amendments in the existing legal framework... Point out these issues to Parliament and the government.

Centre tightens fire safety norms for hospitals mandates audits and evacuation plans

New Delhi, Agency: In a move aimed at preventing deadly hospital fires, the Union health ministry has issued revised national guidelines mandating stricter safety checks, regular audits and clear evacuation protocols across healthcare facilities.

The National Guidelines on Fire and Life Safety in Healthcare Facilities (2026) lay out a comprehensive framework for how hospitals must prevent, detect and respond to fire incidents, with a strong focus on patient safety-especially those in ICUs and other critical care units such as NICUs, PICUs and operation theatres who cannot evacuate on their own.

The revised guidelines go beyond earlier building-level norms by introducing a hospital-specific safety framework with clear accountability, mandatory risk audits and detailed evacuation protocols for critical care areas-gaps that were not uniformly addressed earlier.

The guidelines were released alongside a nationwide push on fire safety, with the Centre observing Fire Safety Week from May 4 to 10 and urging states and healthcare facilities to reassess preparedness, conduct audits and strengthen response systems. The document notes that hospitals are particularly vulnerable due to high oxygen use, complex electrical systems and immobile patients, with electrical faults identified as a leading cause of fires in healthcare settings.

Under the new framework, hospitals must carry out regular fire risk assessments, maintain a fire safety plan and conduct annual fire and electrical safety audits. Facilities are also required to classify ICUs, NICUs, PICUs, operation theatres, oxygen storage areas and electrical rooms as high-risk zones requiring stricter monitoring.

Bookie allegedly shot dead by Khalistani shooters in Canada gang links under probe

New Delhi, Agency: A man was fatally shot in the lobby of a busy office building in Surrey's Newton neighborhood on Monday afternoon, an incident that authorities believe was a targeted execution. Sources said that the role of pro-Khalistan shooters with Indian links was being investigated. The deceased was identified by his alias -- Sam Canada -- and was a bookie by profession.

Surrey police responded to reports of gunfire at 13049 76th Avenue, a complex housing several businesses including a learning center and an insurance company. Upon arrival, officers discovered a male victim suffering from gunshot wounds; despite immediate medical intervention, he succumbed to his injuries at the scene.

Pilots' body flags fuel-cut risk in Air India Ahmedabad crash probe

Mumbai, Agency: In a development that could impact the probe into the June 12, 2025 Air India crash at Ahmedabad that killed 241 people, India's largest pilots' body has placed before the govt a specific, documented electrical failure mechanism that can cut off fuel to both engines of a Boeing 787 simultaneously without any action by the pilots.

Federation of Indian Pilots (FIP) has addressed a technical letter, backed by documentary proof, to PMO, Ministry of Civil Aviation, Directorate General of Civil Aviation, and Aircraft Accident Investigation Bureau, requesting the hypothesis be formally tested by IIT Bombay, Aeronautical Development Agency, or Hindustan Aeronautics Limited before any conclusion is reached on the cause of the accident.

The submission draws entirely on Boeing's own technical manuals, a relay manufacturer's datasheet, and safety investigation reports filed by American and Japanese aviation authorities following a 2013 Boeing 787 battery fire.

"Media reports continue to suggest pilot action (suicide theory). However, International Civil Aviation Organisation Annex 13 requires all credible technical causes be ruled out first. This technical note suggests a credible cause," said the FIP letter. It stressed the sequence of events it has laid out be treated as a "testable hypothesis".

The sequence the FIP proposes begins with a lithium-ion battery failing internally during the take-off roll. This type of failure was documented in the 2013 Japan Airlines battery incidents at Boston and Takamatsu. Such a failure discharges enormous current through the aircraft's metal structure. "The surge raises the voltage of what should be a stable zero-volt ground reference, creating electrical disturbances that the system reads as a loss of power," said a senior commander explaining the FIP letter.

The aircraft's 'Battery Power Control Unit' responds automatically, deploying the Ram Air Turbine (RAT), which is an emergency power-supplying windmill. "That deployment is the most critical part of the argument as RAT deployment places the aircraft in 'Standby Operating Mode'. This then closes two contactors that connect the commander's and co-pilot's left and right instrument buses through a shared return path. It is through this newly bridged circuit that the voltage disturbance reaches the fuel control relays of both engines," he said. Those relays are electrical switches that stay in whatever position they are last set to, until something moves them. The letter identifies the exact make and model used in Boeing 787, and the manufacturer's instruction sheet warns that if voltage runs through the switch in the wrong direction, the switch can flip. A battery fault creates that wrong-direction voltage which can flip switches from 'RUN' to 'CUT OFF' . The valves feeding fuel to the engines slam shut, and both engines starve simultaneously.